INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-189 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 3 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जन्म की घड़ी नजदीक, कल जन्मेंगे ब्रज के कान्हा

मध्यरात्रि में जन्मेंगे कान्हा स्वागत में सज गया ब्रज

जन्मभूमि मथुरा में जन्मोत्सव की तैयारियां पूर्ण

जन्माष्टमी पर पहली बार गर्भगृह से होगा सीधा प्रसारण

कंस के कारागार से दुनिया देखेगी कान्हा का जन्म

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज और भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि में शुक्रवार को कान्हा के जन्म का उल्लास छाएगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। जन्म की घड़ी नजदीक आते ही मथुरा–वृंदावन के मंदिरों और घरों में तैयारियां तेज हो गई हैं। मंदिरों में विशेष सजावट, श्रृंगार और पूजन की तैयारियां पूरी की जा रही हैं। मध्यरात्रि में जैसे ही कान्हा का जन्म होगा, मंदिर शंख, घंटों और जयकारों से गूंज उठेंगे। श्रद्धालु भगवान के बाल स्वरूप के दर्शन कर जन्मोत्सव मनाएंगे। घरों में भी लड्डू गोपाल के लिए झूले सजाए जा रहे हैं और विशेष पूजन की तैयारी है। कान्हा के जन्म को लेकर बाजारों में भी रौनक है। श्रद्धालु पोशाक, मुकुट, झूले और पूजा सामग्री खरीद रहे हैं। जन्माष्टमी पर मथुरा पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था भी मजबूत की है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर इस बार श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह यानी कंस के कारागार से पहली बार भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव और अभिषेक का सीधा प्रसारण किया जाएगा। चार सितंबर को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान गर्भगृह में अत्याधुनिक कैमरों के माध्यम से प्रसारण करेगा। देश–विदेश के श्रद्धालु घर बैठे भगवान के जन्म का दिव्य दृश्य देख सकेंगे। मंदिर परिसर और बाहर बड़ी एलईडी स्क्रीनें भी लगाई जाएंगी। अब तक केवल भागवत भवन से ही सीधा प्रसारण होता था।

जन्माष्टमी के बाद बिहारी जी में होगी मंगला आरती

रात 1:45 बजे बांकेबिहारी मंदिर में विशेष आरती

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कान्हा के जन्म के बाद ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में विशेष मंगला आरती होगी। चार और पांच सितंबर की मध्यरात्रि 1:45 बजे होने वाली इस आरती में केवल 600 श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए उच्चस्तरीय समिति की ओर से पास जारी किए जाएंगे। मंगला आरती के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे और ठाकुर बांकेबिहारी जी पूरी रात भक्तों को दर्शन देंगे। सुबह करीब 5:30 बजे मंदिर के पट बंद होंगे। इसके बाद नियमित समय–सारिणी के अनुसार दर्शन होंगे। जन्माष्टमी पर देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के वृंदावन पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए मंदिर में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

वृंदावन में सीएम योगी बोले मिट नहीं सकी कृष्ण की स्मृति

अन्नप्राशन कार्यक्रम के दौरान बच्चे को दुलारते मुख्यमंत्री।

विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर तोड़े, लेकिन कायम रही सनातन परंपरा

विरासत से जुड़कर ही विकसित राष्ट्र का सपना होगा पूरा

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को वृंदावन आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक राष्ट्र अपनी स्मृति, संस्कृति और जड़ों से महान बनता है। मथुरा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थित केशवदेव मंदिर ने अनेक आक्रमण सहे। विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर तोड़े, लेकिन क्या वे श्रीकृष्ण और राधारानी की स्मृति मिटा पाए? क्या जन्माष्टमी, बरसाना की होली और गोवर्धन की परिक्रमा रुक सकी? उन्होंने कहा कि यही सनातन की शक्ति और ब्रज की पहचान है।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक विकास को सड़क, बिजली, पानी और भवनों तक सीमित रखा गया, जबकि विरासत की उपेक्षा हुई। विकास के नाम पर विरासत का अपमान और इतिहास के नायकों को भुलाने का प्रयास किया गया। स्वामी हरिदास के योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने भक्ति को संगीत और संगीत को आध्यात्मिक साधना का माध्यम बनाया। ब्रज के विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि चौरासी कोस, पंचकोसी सहित अन्य परिक्रमा मार्गों पर कार्य चल रहा है। वृंदावन में रोपवे और बड़ी वाहन पार्किंग जैसी परियोजनाएं भी विकसित की जा रही हैं।

हरिदास प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

हरिदास प्रेक्षागृह में संतों और लाभार्थियों का सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने संतों को शॉल, माला, फलों की टोकरी और प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया। हनुमान प्रसाद धानुका विद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया, जबकि कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समां बांधा। कार्यक्रम में मथुरा में 1051 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं पर आधारित प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशि, स्वीकृति पत्र और प्रमाणपत्र वितरित किए। कार्यक्रम में आराधना जौहरी की पुस्तक का विमोचन किया गया।

चरण छूने की मची रही होड़

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वृंदावन के परमहंस हेलीपैड पर पहुंचते ही चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने की होड़ मची रही। हेलीपैड पर चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, राज्य बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के अलावा अन्य ने सीएम का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया।

यह संत कार्यक्रम में हुए सम्मानित

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में महंत विजय कौशल दास, फूलडोल दास देवाचार्य, सुतीक्ष्णदास, बलराम दास, रामदेवा नंद, गोविन्द नंद तीर्थ, अनन्तवीर, सनत जी, स्वामी महेशानन्द गिरी, किशोर दास देव जू, सुन्दर दास, राम स्वरूप ब्रहमचारी, लाडली शरण, हरिशंकर नागा को सम्मानित किया।

जन्माष्टमी पर मथुरा को मिली 1051 करोड़ की सौगात

मुख्यमंत्री योगी ने 229 परियोजनाओं का किया लोकार्पण

सात हजार से अधिक लाभार्थियों को मिली आवास सहायता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा को 1051 करोड़ रुपये की 229 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने साधु–संतों की उपस्थिति में स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह सहित विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित की।

मुख्यमंत्री ने 540.60 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और 437.64 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। शहरी आवास योजना के तहत मथुरा–वृंदावन नगर निगम क्षेत्र के 7060 लाभार्थियों को एक–एक लाख रुपये और ग्रामीण आवास योजना के तहत सपेरा समुदाय के 180 लाभार्थियों को 1.20 लाख रुपये की सहायता दी गई।

लोकार्पित प्रमुख कार्यों में यमुना एक्सप्रेसवे से वृंदावन पागल बाबा मंदिर तक 7.278 किलोमीटर लंबे चार लेन मार्ग और यमुना नदी पर दो लेन पुल का निर्माण शामिल है।

वहीं पुलिस लाइन में 47.20 करोड़ रुपये की लागत से बने ट्रांजिट हॉस्टल का भी लोकार्पण हुआ। शिलान्यास परियोजनाओं में फ्लाईओवर, पर्यटन सुविधाएं, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, सौंदर्यीकरण, सीसीटीवी और नाली–सड़क निर्माण सहित अनेक कार्य शामिल हैं। नगर निगम की 146 परियोजनाओं पर 129.64 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

कार्यक्रम में गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, राज्य मंत्री बेसिक शिक्षा संदीप सिंह, सदस्य राज्यसभा तेजवीर सिंह, सांसद हेमा मालिनी, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, विधायक श्रीकांत शर्मा, पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, भुवन भूषण कमल, प्रीतम सिंह, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र, एडीजी सुवेंद्र कुमार भगत जी, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, डीआइजी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी एन., नगर आयुक्त ओजस्वी राज, एडीएम वित्त डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम नंद प्रकाश मौर्या, एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य आदि मौजूद रहे।

बटन दबाकर मथुरा जिले की विकास योजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साथ हैं सांसद हेमा मालिनी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, विधायक मेघश्याम सिंह, विधायक राजेश चौधरी, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र आदि।

कान्हा के जन्मोत्सव में डूबा ब्रज, उमड़ा आस्था का सैलाब

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उल्लास में डूब गई है। देश के कोने-कोने से आए लाखों श्रद्धालुओं ने मथुरा-वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन, रमणरेती और बलदेव में डेरा डाल दिया है। हर ओर श्रीकृष्ण और राधारानी के जयकारे गूंज रहे हैं। भक्तों की आस्था और उत्साह ऐसा है कि रात से ही रेलवे जंक्शन और बस स्टैंड के आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आने लगी है। बाहर से आने वाले हजारों श्रद्धालु रेलवे जंक्शन के बाहर ही रात में विश्राम कर रहे हैं। कुछ परिवार स्टेशन परिसर और आसपास अपना सामान रखकर सुबह मंदिरों की ओर निकल पड़े।

महिला, पुरुष और बच्चे भीड़ की परवाह किए बिना पैदल ही अपने आराध्य के

कान्हा जन्मोत्सव के लिए ट्रैक्टर को डबल डेकर बनाकर मथुरा आए श्रद्धालु।

दर्शन के लिए आगे बढ़ते दिखे। जंक्शन से लेकर शहर के प्रमुख मार्गों तक श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही बनी हुई है। बस स्टैंड पर भी यात्रियों की भारी भीड़ दिखाई दे रही है। देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं के चेहरे पर कान्हा के दर्शन की खुशी साफ दिखाई दे रही है। रास्ते भर 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारे वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। बांके बिहारी मंदिर, प्रेम मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले

हजारों श्रद्धालुओं ने डाला डेरा, जयकारों से गूंज रही कान्हा की नगरी

रास्तों पर भक्तों कान्हा के जन्मोत्सव से एक दिन पहले श्रद्वालुओं ने ढेरा डालना शुरू कर दिया है। गोवर्धन में गिरिराज महाराज की परिक्रमा और बरसाना में राधारानी के दर्शन के लिए भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। जन्मोत्सव को लेकर प्रशासन ने भी शहर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजा दिया है। प्रमुख मार्गों, चौराहों और धार्मिक स्थलों पर आकर्षक सजावट की गई है। रात में रोशनी से नहाई कान्हा की नगरी का नजारा देखते ही बन रहा है। जन्मोत्सव से पहले ही मथुरा में भक्ति, उल्लास और आस्था का अनूठा संगम दिखाई देने लगा है।

अफसर ड्यूटी में, कार्यालय में चौकस दिखे कर्मचारी

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरुवार को मथुरा आगमन को लेकर सरकारी कार्यालयों में भी दिनभर चौकसी नजर आई। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम और सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अधिकांश जिला और तहसील स्तरीय अधिकारी ड्यूटी में तैनात रहे। अधिकारियों की व्यस्तता के बीच कार्यालयों में कर्मचारियों ने व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली। अपने-अपने पटल पर कर्मचारी पूरी तरह सजग दिखाई दिए और आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनने के साथ जरूरी काम निपटाते रहे। अधिकारियों के निर्देश पर संबंधित विभागों के कर्मचारी अभिलेख और व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने में जुटे रहे। कार्यालयों में सामान्य कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए कर्मचारी लगातार सक्रिय रहे।

वृंदावन में भी अलौकिक छटा

यूनिक समय, मथुरा। मंदिरों की नगरी वृंदावन भी जन्म महोत्सव के उल्लास में रोशनी से नहा उठी है। प्रमुख मंदिरों और बाजारों में की गई आकर्षक सजावट श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति करा रही है। जगमगाती रोशनी के बीच वृंदावन की गलियां और मंदिर बैकुंठ की अद्भुत छवि प्रस्तुत कर रहे हैं। जन्म महोत्सव से पहले ब्रज की धरती पर भक्ति, आस्था और उत्सव का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

वृंदा ताज विवांता में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बांके बिहारी का छायाचित्र भेंट करते प्रमुख उद्यमी राजीव अग्रवाल 'ब्रजवासी', सतीश अग्रवाल 'ब्रजवासी' और पुलकित अग्रवाल।

सीएम योगी पहुंचे ताज विवांता

यूनिक समय, वृंदावन। दो दिवसीय मथुरा-वृंदावन दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृंदावन स्थित होटल ताज विवांता में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। होटल के स्वामी राजीव अग्रवाल 'ब्रजवासी', सतीश अग्रवाल 'ब्रजवासी' और पुलकित अग्रवाल ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

इस दौरान अग्रवाल परिवार की ओर से मुख्यमंत्री को वृंदावन के

होटल को बताया ब्रज के लिए बड़ी उपलब्धि

ब्रजवासी परिवार ने किया स्वागत

आराध्य ठाकुर बांके बिहारी का छायाचित्र स्मृति स्वरूप भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने ताज विवांता होटल को मथुरा-वृंदावन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठान के माध्यम से करीब 500 लोगों को रोजगार मिला है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने होटल की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं भी वृंदावन में इस स्तर के प्रतिष्ठित होटल को स्थापित किए जाने के लिए प्रोत्साहन और बल दिया था, ताकि देश-विदेश से ब्रज आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को उच्चस्तरीय आतिथ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

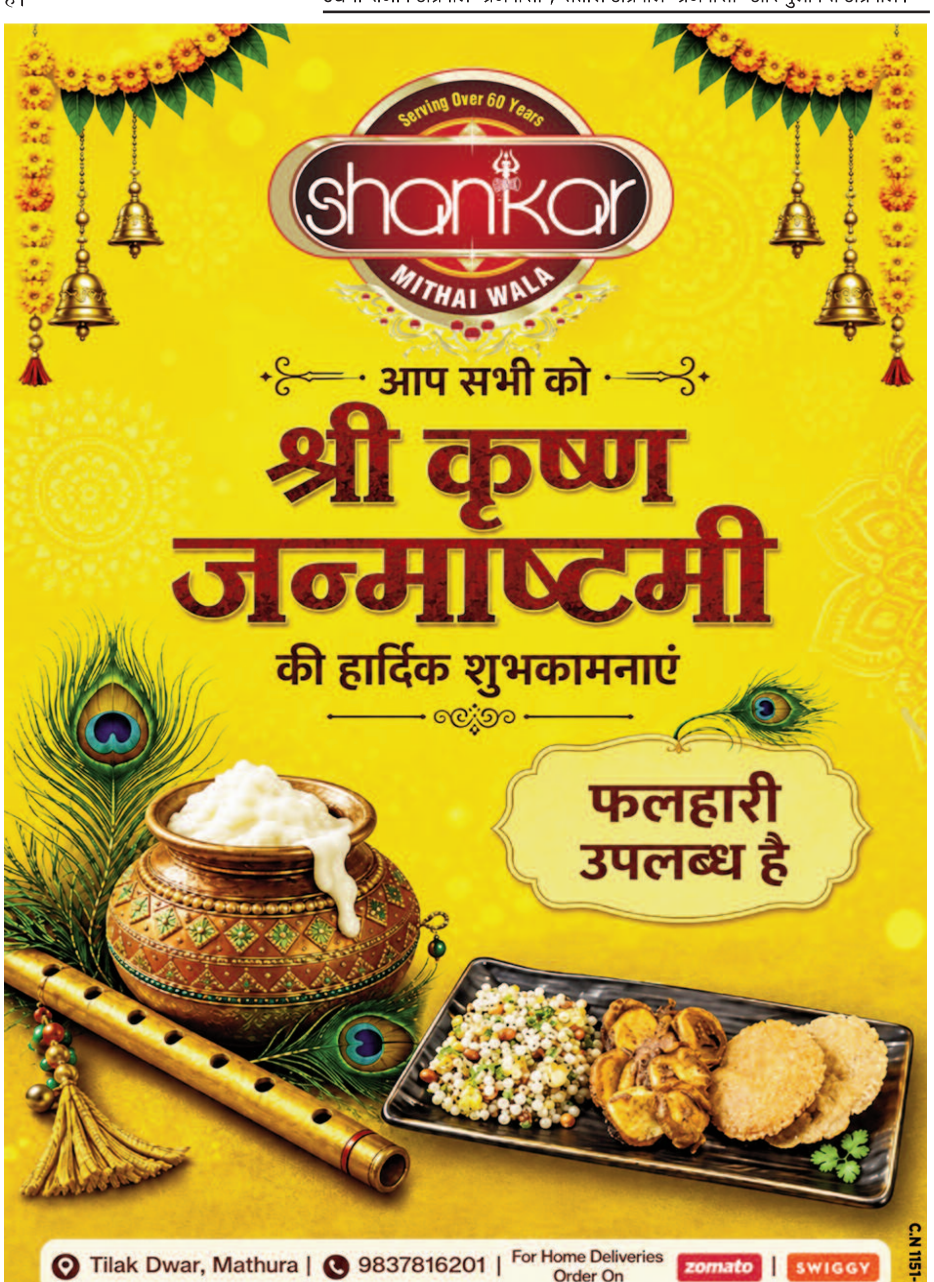

जंक्शन स्टेशन के प्लेटफार्म पर सोते श्रीकृष्ण जन्म का साक्षी बनने को आए परदेशी श्रद्धालु।

कान्हा के जन्म की आस में खुले आसमान तले रात

जन्मोत्सव में शामिल होने देशभर से मथुरा पहुंच रहे श्रद्धालु

स्टेशन से मंदिरों तक चादरों पर सजा आस्था का पड़ाव

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा के जन्मोत्सव का साक्षी बनने के लिए देशभर से श्रद्धालुओं की भीड़ कान्हा की नगरी पहुंचने लगी है। जन्माष्टमी से पहले शहर के प्रमुख स्थलों पर श्रद्धालुओं की चहल–पहल बढ़ गई है। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन से लेकर मंदिरों के आसपास तक श्रद्धालुओं के अस्थायी पड़ाव नजर आने लगे हैं।

गुरुवार बीती रात रात में जंक्शन स्टेशन परिसर का दृश्य अलग ही दिखाई दिया। प्लेटफार्म और खुले स्थानों पर चादरें बिछी थीं। कोई परिवार सामान के बीच बच्चों को सुला रहा था तो कहीं बुजुर्ग दीवार का सहारा लेकर आराम करते नजर आए। बैग और गठरियां सिरहाने रखे थे और थकान के बावजूद चेहरों पर जन्मनगरी पहुंचने की खुशी साफ झलक रही थी। मंदिरों के आसपास भी बंद दुकानों के शटर के आगे श्रद्धालुओं ने चादर बिछाकर रात गुजारी।

कहीं बच्चे नींद में थे तो कहीं परिवार धीमी आवाज में आपस में बातचीत करते नजर आए। खुले आसमान के नीचे बनी यह अस्थायी बस्ती जन्माष्टमी से पहले मथुरा में उमड़ रही आस्था की तस्वीर पेश कर रही थी। गोरखपुर से परिवार के साथ राम खिलावन का कहना है कि कान्हा की जन्मनगरी पहुंचना ही उनके लिए बड़ा सौभाग्य है। जन्मोत्सव में शामिल होने और दर्शन की आस में उन्हें खुले में रात गुजारने में भी कोई परेशानी नहीं है। भीड़ बढ़ने के साथ रेलवे स्टेशन और शहर में सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर प्रशासन की चुनौती भी बढ़ रही है। जन्माष्टमी तक श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को रेलवे और जीआरपी ने कसी कमर

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर श्रीकृष्ण की नगरी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे पुलिस और जीआरपी ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए रेलवे और पुलिस की टीमें लगातार स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी शुरू कर दी हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन के साथ कुछ ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव भी किए है। मथुरा जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा के लिए पेयजल और विश्राम की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। रेलवे और जीआरपी पुलिस के अधिकारियों को ब्रीफिंग भी कर चकें है। जन्मोत्सव के दौरान स्टेशन पर आने–जाने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित यात्रा कर सकें और उनकों कोई परेशानी नहीं हो। स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी रखी जा रही है और भीड़ बढ़ने पर व्यवस्थाओं को तत्काल बढ़ाया जाएगा।

गोकुल बैराज पर दरोगा ने सरकारी पिस्टल से खुद को गोली मार दी जान

एसपी यातायात के पेशकार पंकज यादव की मौके पर मौत

मुख्यमंत्री की मौजूदगी के बीच घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। गोकुल बैराज के पास गुरुवार शाम एसपी यातायात के पेशकार दरोगा पंकज यादव ने सरकारी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। गोली लगने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। घटना उस समय हुई, जब जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे।

बताया गया कि शाम करीब पौने चार बजे पंकज यादव गोकुल बैराज के पास मौजूद थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी सरकारी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दरोगा की मृत्यु हो चुकी थी।

पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। मृतक की पहचान पंकज यादव के रूप में हुई है। वह वर्तमान में एसपी यातायात के पेशकार के पद पर तैनात थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह मूल रूप से एटा जिले के रहने वाले थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दरोगा के परिवार और परिचितों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। घटना से पुलिस विभाग में शोक का माहौल है। बताया गया कि दरोगा की पत्नी महिला सिपाही है और सदर बाजार थाने में तैनात है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि दरोगा पंकज कुमार एसपी यातायात के पेशकार के पद पर तैनात थे। उन्होंने आज ही सर्विस पिस्टल जारी कराई थी। दरोगा ने आत्महत्या किस कारण की है, इस बारे में जांच कराई जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जन्माष्टमी पर मथुरा पहुंचे तेज प्रताप, ब्रजभक्ति में डूबे

गोशाला में गायों की आरती उतारते तेज प्रताप यादव।

गोशाला में गायों की आरती उतारी, संत रमेश बाबा से लिया आशीर्वाद

मान मंदिर में महारास देखा, कृष्ण जन्मोत्सव में होंगे शामिल

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने के लिए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव बुधवार शाम मथुरा पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले बरसाना स्थित माताजी गोशाला पहुंचकर गायों की आरती उतारी। इसके बाद गहवर वन स्थित मान मंदिर में पद्मश्री संत रमेश बाबा से आशीर्वाद लिया। तेज प्रताप ने रस मंडप में आयोजित महारास का दर्शन किया और कीर्तन में भी शामिल हुए। इस दौरान वह कृष्ण भक्ति में लीन नजर आए। तेज प्रताप ब्रज से विशेष लगाव रखते हैं, पहले भी मथुरा–वृंदावन आते रहे हैं। वह गुरुवार को होने वाले श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में भी शामिल होंगे। इससे पहले मई में उन्होंने वृंदावन के वंशीवट में भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी के साथ भजन की शूटिंग की थी। इस दौरान उन्होंने बांसुरी भी बजाई थी।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान से निकली सांस्कृतिक शोभायात्रा के दौरान कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

लोक रंगों में रंगी शोभायात्रा, मयूर नृत्य ने मोहा मन

ढोल बजाकर सांस्कृतिक शोभायात्रा का शुभारंभ करते मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, साथ हैं डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, सचिव कपिल शर्मा, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, सीईओ लक्ष्मी नागप्पन आदि।

जन्मभूमि से निकली शोभायात्रा में शामिल साधु- संत।

जन्मस्थान से निकली सांस्कृतिक यात्रा में दिखी ब्रज की झलक

बीन, ढोल-नगाड़ों की थाप और लोकनृत्यों से गूंजा शहर

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उल्लास के बीच गुरुवार को श्रीकृष्णोत्सव के दूसरे दिन मथुरा की सड़कों पर लोक संस्कृति के रंग बिखर गए। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से श्रीकृष्ण जन्मस्थान के मुख्य द्वार से भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से निकाली शोभायात्रा में शामिल विभिन्न वेशभूषा में कलाकार।

इसमें ब्रज समेत देश के विभिन्न अंचलों की लोक कलाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला।

शोभायात्रा का शुभारंभ प्रदेश के गन्ना विकास-चीनी मिलें मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने किया। डीएम सीपी सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव पांडेय, उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश चंद्र आदि ने लोक कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

रंग-बिरंगी पोशाकों में सजे कलाकारों की टोलियां शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं। कहीं बांसुरी की मधुर तान सुनाई दे रही थी तो कहीं ढोल-नगाड़ों की थाप पर कलाकार थिरकते नजर आए। मयूर नृत्य ने श्रद्धालुओं को खासा आकर्षित किया। राजस्थानी गुजरियों का नृत्य, रीछ-भालू और लंगूर के रूप में बहरूपियों की प्रस्तुतियां और बीन की धुन लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। अलग-अलग टोलियों के संकीर्तन से पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान से शुरू हुई शोभायात्रा पोतरा कुंड, गोविंद नगर और डीग गेट होते हुए पुनः जन्मस्थान पहुंची। पूरे मार्ग में स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कलाकारों का स्वागत किया। जन्माष्टमी पर दर्शन के लिए देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं के कदम भी शोभायात्रा देखकर थम गए। सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग खड़े होकर लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लेते रहे। शोभायात्रा में कहीं राधा-कृष्ण के भक्ति गीत गूंजे तो कहीं लोक वाद्यों की थाप पर कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। पूरे मार्ग में राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष गूंजते रहे। भक्ति, संगीत, नृत्य और लोक संस्कृति के इस संगम ने श्रीकृष्णोत्सव के दूसरे दिन को यादगार बना दिया।

कान्हा बनकर स्कूल पहुंचे बच्चे, बांसुरी और मुकुट से सजा रूप

जन्माष्टमी से एक दिन पहले स्कूलों में धूमधाम से मनाया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व को लेकर कान्हा की नगरी मथुरा में उत्साह चरम पर है। जन्माष्टमी से एक दिन पहले ही शहर के विभिन्न स्कूलों में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान स्कूलों में नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा की वेशभूषा में नजर आए। बच्चों के मनमोहक रूप ने हर किसी का ध्यान आकर्षित किया।

जन्माष्टमी से पहले कृष्ण गंगा सरस्वती विद्यालय में आयोजित श्रीकृष्ण स्वरूप प्रतियोगिता में शामिल बच्चे।

कृष्णा नगर स्थित एक स्कूल में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाते नन्हे मुन्ने बच्चे।

किसी बच्चे ने सिर पर आकर्षक मुकुट सजाया तो कोई हाथ में बांसुरी लेकर कान्हा के रूप में स्कूल पहुंचा। बच्चों ने मोतियों की माला, पीले वस्त्र और अन्य पारंपरिक आभूषण पहनकर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को जीवंत कर दिया।

कई विद्यालयों में श्रीकृष्ण के जन्म से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

शिक्षकों ने बच्चों को श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों और बाल लीलाओं के बारे में जानकारी दी। जन्माष्टमी से पहले स्कूलों में हुए इन आयोजनों ने पूरे वातावरण को कृष्णमय कर दिया।

नटखट कान्हा सबके मन को भाया

वामिका और अथर्व

गौरांश आहूजा

ब्रज की परंपरा के अनुरूप मनाया जाएगा नंद महोत्सव

यूनिक समय, मथुरा। श्री श्रीजी बाबा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से ब्रज की प्राचीन परंपराओं के अनुरूप श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और नंद महोत्सव मनाया जाएगा। ट्रस्ट के अनुसार वर्ष 1988 से यह आयोजन निरंतर श्रद्धा और उल्लास के साथ हो रहा है। जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण का पंचामृत अभिषेक, श्रृंगार, तिलक और विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। रात्रि में भजन-बधाई और श्रीकृष्ण जन्म के दर्शन होते हैं। अगले दिन नंद महोत्सव में आठ फुट लंबे स्वर्ण पालने को सजाकर कृष्ण कन्हैया का उत्सव मनाया जाता है। महिलाएं मेहंदी और सोलह श्रृंगार कर गायन-नृत्य करती हैं, जबकि पुरुष ब्रज की पारंपरिक लोककलाओं की प्रस्तुति देते हैं। ट्रस्ट से जुड़े संत-महात्मा और भक्त आयोजन में सहभागिता करते हैं। उत्सव के समापन पर श्रद्धालुओं को भोजन-प्रसाद वितरित किया जाता है। मथुरा में नंद महोत्सव की परंपरा का उल्लास इस वर्ष भी देखने को मिल रहा है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए में 'इग्नाइट' से विद्यार्थियों को मिला उद्यमिता का मंच

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा परिसर में विद्यार्थियों को उद्यमिता, नवाचार और व्यावसायिक कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से 'इग्नाइट–26' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को युवा उद्यमियों और मार्गदर्शकों से संवाद करने के साथ नए कारोबार की शुरुआत और उसे आगे बढ़ाने की व्यावहारिक जानकारी मिली।

कार्यक्रम की शुरुआत उद्यमिता प्रकोष्ठ के परिचय और उसके उद्देश्यों से हुई। इसके बाद नवउद्यम सम्मेलन और संवाद सत्र आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने नए कारोबार, व्यावसायिक विचारों और उद्यमशील सोच से जुड़े विषयों पर सवाल पूछे। एमबीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी और 'वायु' परिधान ब्रांड के संस्थापक सचिन ने अपने उद्यमशील सफर के अनुभव साझा किए। उन्होंने व्यावसायिक विचार विकसित करने, ब्रांड स्थापित करने और शुरुआती चुनौतियों से निपटने की जानकारी दी।

जीएलए विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा कैंपस में ई–सेल के द्वारा 'इग्नाइट 26' कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान छात्रों के साथ हैं प्रतिकुलपति प्रो. दिवाकर भारद्वाज व अन्य।

जीएलए प्रौद्योगिकी व्यवसाय संवर्धन केंद्र के उपाध्यक्ष रविकुमार तिवारी ने विद्यार्थियों को नवउद्यम शुरू करने की प्रक्रिया और शुरुआती दौर में आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नए विचार को बाजार की जरूरत से जोड़कर ही उसे सफल कारोबार में बदला जा सकता है। इसके लिए सही रणनीति, सक्षम टीम और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सोच–समझकर जोखिम लेने और व्यावहारिक अनुभव से सीखने के लिए प्रेरित किया।

वित्तपोषित नवउद्यम के संस्थापक अक्षत ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विचार को व्यवहारिक व्यवसाय में बदलने, कारोबार के विस्तार और

युवा उद्यमियों ने साझा किए अनुभव, नवाचार पर हुआ संवाद

व्यावसायिक चुनौती में विद्यार्थियों ने पेश किए नए समाधान

नवउद्यम निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों पर विद्यार्थियों से संवाद किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण व्यावसायिक उद्यम चुनौती रही। इसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न दलों में काम करते हुए वास्तविक कारोबारी समस्याओं के नवीन और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए। प्रतिभागी दलों का मूल्यांकन नवाचार, रचनात्मकता, व्यवहार्यता और उपयोगिता के आधार पर किया गया। दो दलों को अंतिम चरण के लिए चुना गया, जिसके बाद विजेता दल की घोषणा की गई।

जीएलए ग्रेटर नोएडा के प्रति–कुलपति प्रो. द्विवाकर भारद्वाज ने कहा कि सफल उद्यम के लिए दृढ़ संकल्प, अनुशासन, परिश्रम और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पारंपरिक रोजगार विकल्पों तक सीमित न रहकर नए अवसर तलाशने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने टीम भावना, नेतृत्व, निर्णय लेने और समस्या समाधान क्षमता का प्रदर्शन किया। विशेषज्ञों से संवाद के माध्यम से उन्हें बाजार की मांग समझने और अपने विचारों को व्यावहारिक रूप देने का अवसर मिला। आयोजन ने विद्यार्थियों में उद्यमिता और नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ भविष्य में नए उद्यम खड़े करने के लिए भी प्रेरित किया।

स्कूलों और बीआरसी पर लग रहे आधार कार्ड शिविर

1.22 लाख बच्चों को मिलेगा लाभ

8 से 15 वर्ष के 67,972 बच्चे वंचित

18 वर्ष तक के 54,074 बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट नहीं हुआ

यूनिक समय, मथुरा। जिले के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले जिन बच्चों के आधार कार्ड नहीं बने हैं या आधार में जरूरी अपडेट नहीं हुए हैं, उनके लिए डाक विभाग ने शिविर शुरू किए हैं। मुख्य डाक विभाग की ओर से एक सितंबर से 30 सितंबर तक स्कूलों और बीआरसी केंद्रों पर कैंप लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में बच्चों के नए आधार कार्ड बनाने के साथ ही आधार में जरूरी अपडेट की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने बताया कि जिले में कोई भी बच्चा आधार कार्ड की सुविधा से वंचित न रहे, इसके लिए अभियान चलाया जा रहा है। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता और बीएसए रतन कीर्ति के कहने पर स्कूलों और बीआरसी केंद्रों को शिविर लगाने के लिए चिन्हित किया गया है। अभियान के दौरान विभाग की टीमें निर्धारित स्थानों पर पहुंचकर बच्चों की आधार संबंधी प्रक्रिया पूरी कर रही हैं।

प्रवर अधीक्षक ने बताया कि जिले में 8 से 15 वर्ष आयु वर्ग के 67,972 बच्चों का अभी तक वंचित है,और 18 वर्ष तक की आयु के 54,074 बच्चों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट नहीं हुआ है।

दोनों श्रेणियों को मिलाकर करीब 1.22 लाख बच्चे आधार से संबंधित प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड बच्चों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं और स्कूल से जुड़ी सुविधाओं में जरूरी हो गया है। ऐसे में विभाग का प्रयास है कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक बच्चों की आधार संबंधी प्रक्रिया पूरी कराई जाए।

प्रवर अधीक्षक ने बताया कि यदि किसी गांव, कस्बे या शहर में करीब 300 बच्चों के आधार बनाने या अपडेट कराने की जरूरत है तो इसकी लिखित सूचना मुख्य डाकघर को दी जा सकती है। इसके आधार पर वहां विशेष शिविर लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल में गठित हुई छात्र संसद

अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल में गठित छात्र संसद के दौरान विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। तारसी स्थित अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन, निदेशक और प्रधानाचार्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद चयनित छात्र प्रतिनिधियों ने मार्च पास्ट में भाग लिया।

समारोह में हेड बॉय, हेड गर्ल, हाउस कैप्टन और प्रीफेक्ट को पद के अनुरूप बैज और सैश पहनाकर सम्मानित किया गया। कक्षा दसवीं के तुषार को हेड बॉय और निधि को हेड गर्ल चुना गया। चिराग और मानवी को खेल कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई। चारों सदनों के लिए मर्करी से आदित्य, मार्स से कृष्णा, वीनस से ललित और ज्यूपिटर से जतिन का चयन हुआ। प्रीफेक्ट के रूप में

तुषार हेड बॉय और निधि हेड गर्ल चुनी गईं

छात्र प्रतिनिधियों ने अनुशासन और जिम्मेदारी की ली शपथ

शिवाज, नंदनी, भानु और मुस्कान को जिम्मेदारी दी गई। सभी छात्र प्रतिनिधियों ने विद्यालय की गरिमा बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने और निष्ठा से दायित्व निभाने की शपथ ली।

निदेशक डॉ. निर्मल अग्रवाल ने छात्र प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नेतृत्व केवल पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और आदर्श आचरण का प्रतीक है। उन्होंने टीम भावना और अनुशासन के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

विजयी छात्राओं के साथ प्रधानाचार्य नीता सिंह और आदि।

स्केटिंग में रतनलाल की छात्राओं ने लहराया परचम

यूनिक समय, मथुरा। बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती विद्या मंदिर सी.सै. स्कूल, शास्त्री नगर मेरठ में 20 से 21 अगस्त तक 38वीं क्षेत्रीय खेलकूद स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में रतनलाल फूल कटोरी विद्यालय की 14 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। किशोर वर्ग में भव्या और चित्रांगना ने स्वर्ण पदक हासिल किए। तरुण वर्ग में सती, नंदिनी और कीर्ति ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। तनु, दिव्यांशी और ख्याति ने रजत पदक हासिल किए। विद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए कुल 10 स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय की आठ छात्राओं का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। प्रधानाचार्य नीता सिंह ने विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि खेलों से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और शारीरिक-मानसिक विकास को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

राजीव एकेडमी के बीबीए विद्यार्थियों ने जाना उद्योग का कामकाज

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के प्रशिक्षण एवं रोजगार विभाग की ओर से बीबीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को डावर फुटवियर इंडस्ट्रीज, आगरा का तीन दिवसीय औद्योगिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, मानव संसाधन और प्रशासन विभागों की कार्यप्रणाली को करीब से समझा।

विद्यार्थियों ने निर्माण इकाई में कच्चे माल के चयन से लेकर डिजाइन, उत्पादन, गुणवत्ता जांच और अंतिम पैकेजिंग तक की प्रक्रिया देखी। इससे उन्हें कक्षा में पढ़ाई जाने वाली प्रबंधन संबंधी अवधारणाओं को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों से जोड़ने का अवसर मिला। मानव संसाधन एवं कार्मिक विभाग के प्रमुख राजीव मिश्रा और उनकी टीम ने

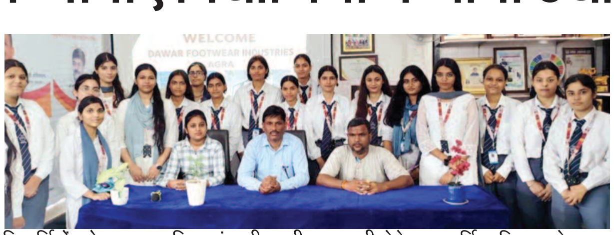

विद्यार्थियों को डावर फुटवियर इंडस्ट्रीज की जानकारी देते हुए कार्मिक विभाग के प्रमुख राजीव मिश्रा।

विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने फुटवियर निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आधुनिक तकनीक और स्वचालन ने उत्पादन को गति दी है, लेकिन कई चरणों में कुशल कारीगरों की भूमिका अब भी महत्वपूर्ण है। गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उत्पादन के प्रत्येक चरण में निर्धारित मानकों का पालन किया जाता है।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को निर्यात कारोबार की जानकारी भी दी गई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए आवश्यक गुणवत्ता मानकों, नियमों और दस्तावेजी प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और बाजार की मांग को समझने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने उत्पादन संबंधी चुनौतियों, कार्यस्थल की संस्कृति, मानव संसाधन, गुणवत्ता प्रबंधन और निर्यात व्यवस्था से जुड़े सवाल पूछे। अधिकारियों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। संस्थान

डावर फुटवियर इंडस्ट्रीज में उत्पादन से पैकेजिंग तक देखी प्रक्रिया

निर्यात, गुणवत्ता और वैश्विक कारोबार की बारीकियां समझीं

के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान का व्यावहारिक पक्ष समझने में मदद करता है। चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में शिक्षा के साथ औद्योगिक अनुभव भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को उद्योग जगत से जोड़कर रोजगारपरक ज्ञान देने के लिए लगातार प्रयासरत है।

विद्यालय समय में शराब पीकर हंगामा करने का आरोप, जांच के बाद होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। नंदगांव विकास खंड क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला जरैला में विद्यालय समय के दौरान एक सरकारी कर्मचारी द्वारा शराब पीकर हंगामा करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कर्मचारी ने दोपहर करीब एक बजे शराब के नशे में विद्यालय परिसर में जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना मिलने के बाद शिक्षा विभाग में भी हलचल मच गई। एबीएसए बुद्ध सैन से फोन पर जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि विद्यालय में इस तरह की घटना होने की सूचना उन्हें मिली है। विद्यालय खुलने के बाद मामले की पूरी जानकारी जुटाई जाएगी। जांच में कर्मचारी द्वारा शराब पीकर हंगामा करने की पुष्टि होती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

नशीले पाउडर के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत नीमगांव चौराहे के सरकवा बाईपास के समीप से अभियुक्त जमुना प्रसाद निवासी महल बदन सिंह बड़ा दरवाजा को स्कूटी से जाते समय गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 345 ग्राम एल्प्राजोलम पाउडर के साथ गिरफ्तार किया है।

चीनी नरम, प्याज के तेवर बरकरार 70 रुपये किलो तक पहुंचा भाव

यूनिक समय, मथुरा। रसोई में इस्तेमाल होने वाली जरूरी चीजों के दामों में उतार–चढ़ाव का असर आम लोगों की जेब पर दिखाई देने लगा है। चीनी की कीमतों में जहां कुछ नरमी आई है, वहीं प्याज के भाव अभी भी उपभोक्ताओं को राहत नहीं दे रहे हैं। मथुरा मंडी में गुरुवार को प्याज करीब 40 से 50 रुपये प्रति किलो बिका, जबकि फुटकर बाजार में इसकी कीमत बढ़कर 60 से 70 रुपये किलो तक पहुंच गई। प्याज के लगातार महंगे बने रहने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

मंडी में प्याज की आवक और मांग के बीच संतुलन नहीं बन पाने के कारण कीमतों में अपेक्षित कमी नहीं आ रही है। थोक बाजार में प्याज 40 से 50 रुपये किलो के आसपास बिक रहा है। इसके बाद परिवहन, छंटाई और अन्य खर्च जुड़ने के कारण फुटकर दुकानों पर इसकी कीमत और बढ़ जा रही है। यही वजह है कि उपभोक्ताओं को मंडी की तुलना में बाजार में प्याज के लिए काफी अधिक रकम खर्च करनी पड़ रही है। गुरुवार को मथुरा मंडी में प्याज खरीदने पहुंचे व्यापारियों के बीच भी कीमतों को लेकर चर्चा रही।

सब्जी मंडी में थोक भाव 40 से 50 रुपये किलो मिल रहा प्याज

महंगे प्याज का असर सबसे ज्यादा रोजमर्रा की रसोई पर पड़ रहा है। सब्जी, दाल, चटनी और कई अन्य व्यंजनों में नियमित इस्तेमाल होने वाले प्याज की कीमत बढ़ने से परिवारों को खर्च का हिसाब बदलना पड़ रहा है। कम आय वाले परिवारों के लिए बढ़े हुए दाम और अधिक परेशानी पैदा कर रहे हैं।

उपभोक्ताओं को उम्मीद है कि नई आवक बढ़ने के साथ प्याज की कीमतों में नरमी आएगी। फिलहाल बाजार में 60 से 70 रुपये किलो तक पहुंचा फुटकर भाव लोगों को परेशान कर रहा है। चीनी के दाम में आई राहत के बावजूद प्याज की महंगाई ने रसोई का दबाव कम नहीं होने दिया है।

परिक्रमा मार्ग में टेंपो पलटा वृद्धा श्रद्धालु की मौत

यूनिक समय, मथुरा। औरैया से श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का हिस्सा बनने के लिए बस से आए श्रद्धालुओं के दल के कुछ श्रद्धालु गोवर्धन में कल परिक्रमा कर रहे थे। परिक्रमा मार्ग में टेंपो के पलट जाने के कारण एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन घायल हो गए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी त्योहार पर एक बस में करीब पचास से अधिक श्रद्धालु मथुरा आए। बताया गया कि बस परिक्रमार्थियों को गोवर्धन की परिक्रमा करने के लिए कल गोवर्धन पहुंची। काफी श्रद्धालु पैदल परिक्रमा कर रहे थे। वृद्धा शांति देवी (62) पत्नी राधेश्याम निवासी ठाकुर गांव औरैया के अलावा रामकिशोर,दिनेश और उनकी पत्नी, योगेंद्र सिंह और उनकी पत्नी सहित कुछ अन्य श्रद्धालु टेंपो से

हादसे में आधा दर्जन घायल

परिक्रमा कर रहे थे। परिक्रमा मार्ग में टेंपो चालक के लापरवाही से ब्रेक लगाने पर टेंपो पलट गया। टेंपो में बैठे लोगों में चीख पुकार मच गई। चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने किसी तरह से टेंपो को सीधा किया और उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला। टेंपो पलटने से सड़क पर गिरी वृद्धा शांति देवी के सिर पर होकर टेंपो का पहिया चढ़ गया,जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने वृद्धा के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को उपचार के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया। शांति देवी की मौत से उनके परिवार के ही नहीं, अन्य श्रद्धालु भी बेहद दुखी हैं।

एसपीएस इंटरनेशनल एकेडमी में कृष्ण जन्मोत्सव की धूम

सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीकृष्ण- राधा क वेश में सजे विद्यार्थी।

यूनिक समय, कोसीकलां। राष्ट्रीय राजमार्ग–19 स्थित एसपीएस इंटरनेशनल एकेडमी में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ किया गया। विद्यालय के नन्हे–मुन्ने बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की आकर्षक वेशभूषा में मंच पर आए। किसी ने सिर पर मोर मुकुट धारण किया था, तो किसी के हाथ में बांसुरी थी। राधा बनीं नन्हीं बच्चियों की मुस्कान ने सभी अभिभावकों का दिल जीत लिया। छात्र–छात्राओं ने नंद घर आनंद

राधा–कृष्ण की वेशभूषा में सजे बच्चे

भयो, छोटी–छोटी गैया जैसे भजनों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। नन्हे बच्चों द्वारा मटकी फोड़ की झांकी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय परिसर को रंग–बिरंगे गुब्बारों, फूलों और लाइटों से दुल्हन की तरह सजाया गया था। इस प्रधानाचार्य राजेंद्र राव ने कहा कि आज के समय में बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना बहुत जरूरी है। बच्चों और उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

सब जूनियर बालक बास्केटबाल टीम का सात को चयन ट्रायल

यूनिक समय,मथुरा। खेल निदेशालय और उत्तर प्रदेश बास्केटबाल एसोसिएशन के तत्वावधान में 11 से 14 सितंबर तक आजमगढ़ में प्रदेशीय समन्वय सबजूनियर बालक बास्केटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में आगरा मंडल की टीम भी प्रतिभाग करेगी। इसके लिए मंडलीय स्तर पर खिलाड़ियों का चयन नौ सितंबर को आगरा में किया जाएगा। आगरा मंडल के चयन ट्रायल में मथुरा जिले से खिलाड़ियों को भेजने के लिए जिला स्तरीय सबजूनियर बालक बास्केटबाल चयन ट्रायल सात सितंबर को दोपहर तीन बजे से स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा, मथुरा में आयोजित किया जाएगा। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि चयन ट्रायल में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ियों का जन्म एक जनवरी 2013 के बाद का होना चाहिए। खिलाड़ियों को ट्रायल में शामिल होने के लिए जन्मतिथि प्रमाण पत्र और आधार कार्ड के साथ स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में लेकर पहुंचें।

यमुना एक्सप्रेस वे की सर्विस लाइन पर कार में लगी आग

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे की सर्विस लाइन पर राधारानी अंडर पास के समीप चलती रैनोल्ट कार में लगी आग। चालक ने किसी तरह कार से कूद कर जान बचाई। कार में लगी आग से लोगों में हड़कंप मच गया। बताया गया कि थाना मांट के गांव जावरा निवासी राजकुमार प्रातः रैनोल्ट कार को लेकर वृंदावन के लिए जा रहे थे।

रास्ते में यमुना एक्सप्रेस- वे की सर्विस लाइन के राधारानी अंडर पास के समीप राजकुमार ने कार के अगले हिस्से से धुंआ उठते देखा खतरे को भांपते हुए बिना समय गंवाएं उसने कार को रोक

चालक ने वाहन से कूद बचाई जान

दिया और खिड़की खोलकर जैसे ही कार से बाहर निकला। वाहन में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते कार से आग की तेज लपटे उठने लगी। राजकुमार ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को फोन किया। कुछ ही देर में पुलिस और फायर ब्रिगेड की दमकल मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड ने कार में लगी आग को बुझाया, लेकिन उस समय तक कार पूरी तरह से जल चुकी थी। आग लगने के कारण का पता नहीं लग सका है।

शिकायत के बाद भी नहीं जागी पालिका, बैंक कॉलोनी में जलभराव

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की पॉश कॉलोनियों में शुमार बैंक कॉलोनी में जलभराव की समस्या से लोगों को आज तक निजात नहीं मिली है। पालिका से कई बार लिखित और मौखिक रूप से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन पालिका प्रशासन कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है। हालात यह हैं कि थोड़ी सी बारिश में ही पूरी कॉलोनी तालाब बन जाती है।

बैंक कालौनी निवासी राधेश्याम अग्रवाल ने बताया कि पिछले कई वर्षों से जल निकासी की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की गई। दो से तीन फीट तक सड़कों पर गंदा पानी भर जाता है। पानी कई–कई दिनों तक जमा रहता है। घरों में घुस जाता है। रसोई और बेडरूम तक में नाले का पानी भर जाता है। बच्चों का स्कूल जाना बंद, बुजुर्गों और मरीजों का घर से निकलना दूभर हो गया है। कॉलोनी वासियों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर नगर पालिका को दर्जनों बार लिखित में प्रार्थना पत्र दिए गए, मौखिक रूप से अधिकारियों और चेयरमैन से भी कहा गया। हर बार सिर्फ आश्वासन का घूंट पिलाकर टरका दिया गया। धरातल पर आज तक मुख्य नाले का निर्माण तक नहीं कराया गया, नालों की सफाई तक नहीं होती। गंदे पानी में मच्छर पनप रहे हैं, जिससे डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। दुकानदारों की दुकानों में पानी भरने से हजारों का नुकसान हो रहा है। लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। पालिका की इस घोर लापरवाही से हजारों लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों ने अब मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पालिका की कार्यशैली की शिकायत कर स्थायी समाधान की गुहार लगाई है।

सब्जी मंडी में दुकान खाली, फुटपाथों पर सजा सामान और सड़क पर ठेले

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की मुख्य सब्जी मंडी में अतिक्रमण चरम पर है। दुकानदारों ने अपनी पक्की दुकानें खाली छोड़ रखी हैं और सारा सामान फुटपाथों पर सजा रखा है। रही सही कसर ठेला लगाने वाले पूरी कर देते हैं, जो बीच सड़क पर ही ठला लगा लेते हैं। इससे सड़क से लोगों का निकलना दूभर हो गया है।

सब्जी मंडी से थाना चंद कदमों की दूरी पर होने के बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पुलिस की अनदेखी के चलते दुकानदार और ठेला लगाने वाले बेखौफ हैं। वहीं नगर पालिका प्रशासन भी अतिक्रमण को लेकर चुप्पी साधे हुए है। पालिका द्वारा न तो अतिक्रमण हटाया जा रहा है और न ही कोई अभियान चलाया जा रहा है। पालिका की चुप्पी से अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि फुटपाथों पर दुकानदारों का सामान व बीच सड़क पर ठेले लगने से सड़क की चौड़ाई आधी रह गई है। दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। पूर्व पालिका सभासद सत्यवीर सांगवान ने पुलिस और पालिका से अतिक्रमण हटवाकर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

रामलीला महोत्सव का दुग्धाभिषेक शुक्रवार को

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में इस वर्ष होने वाले श्री रामलीला महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्री रामलीला संस्थान द्वारा पांच सितंबर को नगर की आदि देवी राजराजेश्वरी मां भगवती मंदिर पर दुग्धाभिषेक किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने बताया कि शुक्रवार प्रातः 8:30 बजे मां भगवती मंदिर पर दुग्धाभिषेक कार्यक्रम आयोजित होगा। दुग्धाभिषेक के साथ ही रामलीला महोत्सव के कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। उन्होंने नगर वासियों और रामभक्तों से दुग्धाभिषेक कार्यक्रम में समय पर पहुंचने की अपील की है।

कोसी में छह और सात को होगी कबड्डी प्रतियोगिता

यूनिक समय, कोसीकलां। छह और सात सितंबर को नगर में विशाल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन बीपीएल नर्सिंग होम के पास बठैनगेट स्थित मैदान पर मैट पर किया जाएगा। इसको लेकर गुरुवार को गांगवान मोहल्ला स्थित अशोक सांगवान के आवास पर आयोजित वार्ता में यह जानकारी दी गई।

कबड्डी प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए सतवीर सांगवान।

गांगवान सेवा समिति के अध्यक्ष सीए अमित अग्रवाल ने बताया कि यह कबड्डी प्रतियोगिता युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने और क्षेत्र की छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को पहचान मिल सके और वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकें। दो दिन तक चलने वाले इस आयोजन में हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों की नामी कबड्डी टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार के साथ–साथ बेस्ट कैचर और बेस्ट रेडर को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। छह सितंबर को महिला वर्ग की कबड्डी और सात सितंबर को पुरुष वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता होगी। कार्यक्रम में मुख्याथिति कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, उप्र कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय होंगे। कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी द्वारा किया जाएगा। इस मौके पर विवेक चौधरी, डिगम्बर सिंह सांगवान, रामकिशन काका, प्रदीप सांगवान, सत्यवीर सांगवान, पुष्पेंद्र सांगवान, शक्ति सांगवान, उदयवीर सांगवान, डा. महेंद्र सिंह सांगवान, भगत सिंह सहित समिति के कई सदस्य मौजूद रहे।

स्टेडियम में प्रवेश के लिए खिलाड़ियों का होगा ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

यूनिक समय, मथुरा। स्टेडियम में प्रशिक्षण लेने वाले 18 वर्ष से कम आयु के प्रशिक्षार्थियों और शौकिया खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। अब खिलाड़ियों को 'खेल साथी' पोर्टल पर मॉड्यूल के माध्यम से अपना पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद निर्धारित विभागीय शुल्क भी ऑनलाइन जमा करना होगा। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि खिलाड़ी या प्रशिक्षार्थी स्वयं खेल साथी पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे। पंजीकरण के बाद आवेदन को कार्यालय स्तर से स्वीकार किया जाएगा। निर्धारित शुल्क जमा होने के बाद खिलाड़ी का पहचान पत्र (आईडी कार्ड) पोर्टल पर स्वतः जनरेट हो जाएगा। उन्होंने बताया कि आईडी कार्ड जारी होने के बाद ही खिलाड़ी को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसलिए स्टेडियम में प्रशिक्षण लेने के इच्छुक सभी प्रशिक्षार्थी और शौकिया खिलाड़ी पहले अपना ऑनलाइन पंजीकरण पूरा करें, निर्धारित शुल्क जमा करें और आईडी कार्ड डाउनलोड करने के बाद ही स्टेडियम पहुंचें।

सुविचार

आत्मविश्वास रखो
मेहनत करते रहो
मंजिल भले दूर हो
लेकिन असंभव कभी
नहीं।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	04:26-02:25 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	कृतिका	01:43-12:29 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:10 AM	चन्द्रोदय	10:48 PM
सूर्यास्त		6:43 PM	चंद्रास्त	11:54 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त		12:03PM–12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:34-05:22
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		02:00 PM: 03:34 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

जन्माष्टमी पर श्रद्धा से रखें व्रत,भक्ति से पाएं कृष्ण की कृपा

सुबह संकल्प लेकर रखें व्रत, परंपरा अनुसार करें फलाहार

मध्यरात्रि को जन्म की पूजा के बाद पारण का अलग है विधान

कान्हा के जन्मोत्सव पर भक्ति से संवरे संस्कार

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शुक्रवार, 4 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु व्रत रखते हैं। व्रत रखने से पहले इसकी विधि और खानपान के नियम जानना जरूरी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जन्माष्टमी के दिन भगवान कृष्ण का ध्यान, पूजन, मंत्र जाप और मध्यरात्रि में जन्मोत्सव पूजा का विशेष महत्व है।

जन्माष्टमी के दिन सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और पूजा स्थल की सफाई करें। भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान करते हुए जल हाथ में लेकर अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार व्रत का संकल्प लें। घर के मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा करें और दिनभर भगवान के नाम का स्मरण करें।

श्रद्धालु अपनी परंपरा के अनुसार निर्जल, जलाहार या फलाहार व्रत रख सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर कठोर उपवास से बचना उचित है।

फलाहार में दूध, दही, फल, मखाना, साबूदाना, सिंघाड़े और कुट्टू से बने व्यंजन तथा सूखे मेवे लिए जा सकते हैं। सेंधा नमक का प्रयोग किया जाता है। सामान्य अनाज, चावल, दाल और गेहूं का सेवन व्रत में नहीं किया जाता। खानपान की परंपरा परिवार और क्षेत्र के अनुसार अलग हो सकती है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

रात में जन्म के समय बाल गोपाल की प्रतिमा को स्वच्छ स्थान पर विराजमान कर पंचामृत और गंगाजल से अभिषेक किया जाता है। इसके बाद नए वस्त्र, मुकुट और मोरपंख से श्रृंगार कर चंदन, अक्षत, फूल और तुलसी दल अर्पित किए जाते हैं। माखन–मिश्री, दूध, दही, पंजीरी, फल और मिठाई का भोग लगाया जाता है। धूप–दीप के बाद आरती और श्रीकृष्ण के मंत्रों का पाठ किया जाता है।

पूजा के बाद कुछ श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर व्रत खोलते हैं, जबकि कुछ परंपराओं में अगले दिन पारण किया जाता है। इसलिए परिवार और क्षेत्र में प्रचलित धार्मिक परंपरा के अनुसार ही व्रत का पारण करना उचित माना जाता है।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। रुके काम पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग और आत्मविश्वास बढ़ेगा।
वृषभ: कल धन संबंधी मामलों में लाभ मिलेगा। कारोबार में नई संभावनाएं बनेंगी। परिवार में सुख–शांति रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।
मिथुन: कल नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
कर्क: कल पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। पुराने मित्र से मुलाकात संभव है। आर्थिक लाभ के योग हैं।
सिंह: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। नौकरी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ होगा।
कन्या: कल मेहनत से सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा।
तुला: कल रुके कार्य पूरे होंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। निवेश सोच–समझकर करें।
वृश्चिक: कल कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धि मिल सकती है। धन लाभ के योग हैं।
धनु: कल यात्रा के योग बनेंगे। व्यापार में लाभ मिलेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा।
मकर: कल नौकरी और कारोबार में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। पारिवारिक विवाद दूर होंगे।
कुंभ: कल महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ सकते हैं। मेहनत का लाभ मिलेगा। धन संबंधी परेशानी दूर होगी। परिवार में खुशी रहेगी।
मीन: कल दिन अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। रुका धन प्राप्त हो सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

जन्माष्टमी पर घर लाएं लड्डू गोपाल, ऐसे करें सेवा

स्थापना से पहले पूजा स्थल की सफाई कर रखें विशेष ध्यान

स्नान–श्रृंगार, भोग और शयन की सेवा निभाएं श्रद्धा से

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को घर लाने की परंपरा कई परिवारों में है। मान्यता है कि घर में बाल गोपाल को विराजमान करने के बाद उनकी सेवा बच्चे की तरह प्रेम और श्रद्धा से करनी चाहिए। इस वर्ष जन्माष्टमी चार सितंबर को मनाई जाएगी।

लड्डू गोपाल को घर लाने से पहले पूजा स्थल की सफाई कर गंगाजल का छिड़काव करें। इसके बाद उन्हें श्रद्धापूर्वक सिंहासन या झूले पर विराजमान करें। मान्यता के अनुसार उत्तर–पूर्व अथवा पूर्व दिशा को स्थापना के लिए शुभ माना जाता है। स्थापना के बाद पंचामृत से स्नान कराकर स्वच्छ जल से अभिषेक करें। फिर पीले वस्त्र पहनाकर मुकुट, मोरपंख और बांसुरी से श्रृंगार करें।

पूजा के दौरान दीप जलाकर आरती करें और भगवान का स्मरण करें। भोग में माखन–मिश्री, दूध, फल, खीर और अन्य सात्विक पकवान अर्पित किए जा सकते हैं। तुलसी दल चढ़ाने की भी परंपरा है। रात में लड्डू गोपाल को शयन कराना भी सेवा का हिस्सा माना जाता है।

घर में सात्विक वातावरण बनाए रखें। सेवा में नियमितता रखें और पूजा स्थल की स्वच्छता का विशेष ध्यान दें। परिवार की परंपरा के अनुसार सेवा–विधि में कुछ अंतर हो सकता है।

घर में हाथी का जोड़ा रखना माना जाता है शुभ

वास्तु मान्यताओं में हाथी को सुख–समृद्धि का प्रतीक बताया

सही दिशा और सूंड की स्थिति का रखें विशेष ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु मान्यताओं के अनुसार घर में हाथी का जोड़ा रखना शुभ माना जाता है। इसे सुख–समृद्धि, पारिवारिक प्रेम और स्थिरता का प्रतीक बताया गया है। मान्यता है कि हाथी का जोड़ा घर में रखने से परिवार के सदस्यों के बीच आपसी तालमेल और सम्मान बढ़ता है तथा नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

वास्तु के अनुसार हाथी के जोड़े को उत्तर–पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। वहीं धन और कार्यक्षेत्र में

उन्नति की कामना रखने वाले लोग इसे उत्तर दिशा में रख सकते हैं। हाथी की सूंड ऊपर की ओर उठी हुई हो तो इसे विशेष रूप से शुभ माना जाता है।

मान्यताओं के अनुसार पीतल के हाथी धन और व्यापार में वृद्धि, चांदी के हाथी मानसिक शांति तथा लकड़ी के हाथी घर में स्थिरता और सकारात्मक वातावरण के प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि वास्तु से जुड़ी ये बातें धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं, वैज्ञानिक रूप से इनके प्रभाव की पुष्टि नहीं हुई है।

बाबा नीम कारौली की साधना के पीछे पत्नी का त्याग बना मजबूत आधार

यूनिक समय, मथुरा। नीम करोली बाबा का नाम देश–विदेश में प्रसिद्ध संतों में लिया जाता है। उत्तराखंड के कैंची धाम से लेकर विदेशों तक उनके अनुयायी हैं, लेकिन उनके जीवन का पारिवारिक पक्ष अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा है। बाबा का गृहस्थ जीवन भी था और उनकी पत्नी का नाम राम बेटी देवी बताया जाता है। उपलब्ध जीवनी और पारिवारिक विवरणों के अनुसार, राम बेटी देवी ने बाबा के आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने के बाद भी गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियां संभालीं।

नीम करोली बाबा का जन्म उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के अकबरपुर गांव में हुआ था।

उनका बचपन का नाम लक्ष्मण दास शर्मा बताया जाता है। कम उम्र में ही उनका

विवाह राम बेटी देवी से हुआ था। बाद में लक्ष्मण दास आध्यात्मिक यात्रा पर निकल

बाबा के संन्यास के बाद भी संभाला परिवार और गृहस्थ जीवन

अकबरपुर में सादगी से बिताया जीवन, वर्ष 2004 में निधन

गए और साधना के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए नीम करोली बाबा के नाम से प्रसिद्ध हुए।

बाबा के घर छोड़ने के बाद राम बेटी देवी ने परिवार और बच्चों की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने सार्वजनिक जीवन से दूरी बनाए रखी और सामान्य ग्रामीण जीवन व्यतीत किया। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, बाबा समय–समय पर अपने परिवार से मिलने अकबरपुर भी आते थे।

राम बेटी देवी और नीम करोली बाबा के दो बच्चों का उल्लेख मिलता है। इनमें बेटे का नाम अरविंद शर्मा और बेटी का नाम गिरिजा देवी बताया जाता है। राम बेटी देवी का अधिकांश जीवन अकबरपुर में ही बीता। आश्रमों और धार्मिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भूमिका नहीं रही। उपलब्ध पारिवारिक विवरणों में राम बेटी देवी के निधन का वर्ष 2004 बताया गया है। हालांकि निधन की निश्चित तारीख को लेकर अलग–अलग जानकारियां मिलती हैं। बाबा की बढ़ती लोकप्रियता के साथ अब उनके निजी जीवन और परिवार के बारे में भी श्रद्धालुओं की जिज्ञासा बढ़ी है।

सम्पादकीय

दर्शन व्यवस्था में सेंध, आस्था पर भारी है धनबल

मंदिर में भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालु घंटों कतार में खड़ा रहता है। माथे पर पसीना, हाथ में पूजा की थाली और मन में एक ही इच्छा–बस एक बार भगवान के दर्शन हो जाएं। लेकिन यदि कहीं यही दर्शन रुपये की सीढ़ी चढ़कर जल्दी मिलने लगें तो सवाल भगवान से ज्यादा व्यवस्था पर उठता है। महाकाल और ओंकारेश्वर को लेकर सामने आई पड़ताल ने इसी सवाल को बेहद गंभीर बना दिया है। पड़ताल में दावा किया गया कि कहीं 1100 रुपये में कुछ ही मिनटों में दर्शन कराने की बात हुई तो कहीं 5000 रुपये में सीधे गर्भगृह तक पहुंचाने का प्रस्ताव सामने आया। सुरक्षा कर्मियों, कर्मचारियों और पुजारियों से जुड़े लोगों की कथित भूमिका ने व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। यदि जांच में ये आरोप सही पाए जाते हैं तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि आस्था को कारोबार में बदलने जैसा होगा। अब जरा मथुरा–वृंदावन की ओर देखिए। श्रीकृष्ण जन्मभूमि, बांकेबिहारी और दूसरे प्रमुख मंदिरों में पर्वों पर लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। जन्माष्टमी, होली, सावन और अन्य बड़े आयोजनों में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगती हैं। प्रशासन भीड़, सुरक्षा और यातायात की व्यवस्था में जुटा रहता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि कहीं भीड़ और आस्था के बीच कोई ऐसा 'छोटा रास्ता' तो नहीं पनप रहा, जहां जेब भारी हो तो भगवान भी जल्दी मिल जाएं? व्यंग्य की स्थिति यह है कि भगवान के दरबार में सब बराबर माने जाते हैं, लेकिन यदि प्रवेश व्यवस्था में पैसा बराबरी की जगह लेने लगे तो फिर कतार किसलिए? गरीब श्रद्धालु घंटों खड़ा रहे और संपन्न व्यक्ति रुपये देकर आगे निकल जाए, तो मंदिर की व्यवस्था भले चलती दिखाई दे, आस्था जरूर घायल होती है। मथुरा–वृंदावन के लिए यह खबर चेतावनी है। यहां आने वाला श्रद्धालु ग्राहक नहीं, अतिथि और भक्त है। उसे दर्शन कराने के नाम पर किसी भी तरह की दलाली की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मंदिर प्रशासन को नियमित निगरानी, गुप्त जांच और कर्मचारियों–पुजारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। भगवान के दरबार में सबसे बड़ी विशेष पर्ची श्रद्धा होनी चाहिए, रुपये नहीं। अगर दर्शन भी धनबल से मिलने लगे तो फिर कतार में खड़ा भक्त भगवान को नहीं, व्यवस्था को निहारता रह जाएगा।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

स्कूलों की बदहाली से सड़कों पर उतरी नई पीढ़ी

बोध प्रकाश सगुणी

देश में शिक्षा को लेकर लंबे समय से बड़े–बड़े दावे किए जाते रहे हैं। सरकारी योजनाओं, विद्यालयों की संख्या, डिजिटल शिक्षा और आधारभूत ढांचे के आंकड़ों के सहारे तस्वीर को बेहतर बताने की कोशिश भी होती रही है। लेकिन अब स्कूलों के भीतर से उठ रही बच्चों की आवाज इन दावों के सामने एक असहज सवाल खड़ा कर रही है। जिस पीढ़ी को आधुनिक भारत का भविष्य और देश की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, वही पीढ़ी यदि शौचालय, पीने का पानी, शिक्षक और सुरक्षित कक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए सड़क पर उतरने लगे तो इसे केवल स्थानीय प्रशासन की लापरवाही मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

'स्कूल ठीक करो' जैसे अभियानों के बीच जेन–अल्फा के प्रदर्शन देश के कई राज्यों तक पहुंचना इसी गंभीर स्थिति का संकेत है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और बिहार में स्कूली बच्चों द्वारा अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाना बताता है कि समस्या किसी एक क्षेत्र या विद्यालय तक सीमित नहीं है। यह उस शिक्षा व्यवस्था की तस्वीर है, जिसमें बच्चों से भविष्य के भारत की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन उन्हें वर्तमान में पढ़ने के लिए आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई जा रहीं।

हाल के वर्षों में जेन–जी के आंदोलनों ने सरकारों को शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर सोचने के लिए मजबूर किया था। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं का असंतोष सड़कों पर दिखाई दिया। लेकिन स्कूली बच्चों का आंदोलन कहीं अधिक गंभीर चेतावनी है। इन बच्चों की मांगें न तो असाधारण हैं और न ही ऐसी हैं जिनके लिए वर्षों की योजना की जरूरत हो। उनकी मांग है कि स्कूल में शिक्षक हों, पीने का पानी मिले, शौचालय साफ हों और कक्षाएं सुरक्षित हों।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि सरकारी आंकड़े भी शिक्षा क्षेत्र की कई कमजोरियों की ओर संकेत करते हैं। नीति आयोग के सर्वेक्षण के अनुसार पिछले एक दशक में देश में 94 हजार से अधिक स्कूल बंद हुए हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के लगभग 26 हजार स्कूल शामिल हैं। विद्यालयों के बंद होने के पीछे घटते संसाधन, विद्यार्थियों की कम होती संख्या और माध्यमिक स्तर पर बढ़ती पढ़ाई छोड़ने की समस्या जैसे कई कारण हैं। यदि किसी बच्चे का स्कूल ही उससे दूर हो जाए या उसके गांव में विद्यालय की व्यवस्था कमजोर हो जाए तो शिक्षा का अधिकार कागज पर भले सुरक्षित रहे, व्यवहार में उसका लाभ कैसे पहुंचेगा?

माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ने की समस्या भी उतनी ही गंभीर है। गरीब परिवारों के सामने शिक्षा और रोजी–रोटी के बीच चुनाव की स्थिति पैदा हो जाती है। प्राथमिक स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं के बावजूद जैसे–जैसे बच्चा आगे बढ़ता है, वर्दी, किताबें, परीक्षा और अन्य खर्च परिवार पर बोझ बढ़ाते हैं। जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर है, वहां बच्चे की पढ़ाई से अधिक जरूरी उसकी कमाई हो जाती है। कई किशोर काम करने लगते हैं और बड़ी संख्या में लड़कियां घरेलू जिम्मेदारियों में लगा दी जाती हैं। ऐसे में विद्यालय छोड़ना उनकी पसंद नहीं, बल्कि परिस्थितियों की मजबूरी बन जाता है।

निजी विद्यालयों की ओर बढ़ता आकर्षण भी सरकारी शिक्षा व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करता है। सक्षम परिवार अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में भेज रहे हैं क्योंकि उन्हें वहां बेहतर शिक्षण और सुविधाओं की उम्मीद दिखाई देती है। गरीब परिवार ऐसा नहीं कर सकते। नतीजा यह है कि आर्थिक स्थिति के आधार पर बच्चों के भविष्य की गुणवत्ता अलग–अलग होती जा रही है। शिक्षा सामाजिक बराबरी का माध्यम बनने के बजाय कहीं–कहीं आर्थिक असमानता को और मजबूत करने का माध्यम बन रही है।

राजस्थान का उदाहरण इस अंतर को और स्पष्ट करता है। एक ओर सरकारी स्तर पर विद्यालयी आधारभूत ढांचे के आंकड़े संतोषजनक तस्वीर पेश करते हैं, दूसरी ओर राज्य के सर्वेक्षण में बड़ी संख्या में जर्जर कक्षाओं और बुनियादी सुविधाओं की कमी

सामने आई। हजारों विद्यालयों में शौचालय और पेयजल जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं का अभाव होना किसी भी संवेदनशील व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिन बच्चों को सुरक्षित वातावरण में पढ़ना चाहिए, यदि उन्हें टिन की छत या पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ना पड़े तो यह केवल भवन की समस्या नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकताओं पर प्रश्न है।

हाल के विरोध–प्रदर्शनों ने इस विरोधाभास को और सामने ला दिया है। लखनऊ में छात्राओं का खराब सुविधाओं और शिक्षकों की कमी के खिलाफ बारिश में मार्च करना हो या गया में विद्यार्थी खराब मध्यान्ह भोजन, बंद हैंडपंप और गंदे शौचालयों को लेकर अधिकारियों तक पहुंचना–इन घटनाओं को बच्चों की शरारत या क्षणिक आक्रोश मानना बड़ी भूल होगी। ये बच्चे अपनी रोजमर्रा की समस्याओं को सामने रख रहे हैं।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जिस युवा आबादी को भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश कहा जाता है, क्या उसे हम पर्याप्त शिक्षा और अवसर दे पा रहे हैं? केवल बड़ी युवा आबादी होना अपने आप में आर्थिक शक्ति की गारंटी नहीं है। यदि इस आबादी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और स्वस्थ वातावरण नहीं मिला तो जनसांख्यिकीय लाभांश अवसर के बजाय चुनौती में बदल सकता है।

अब सरकारों के सामने केवल प्रदर्शन शांत कराने की चुनौती नहीं है। वास्तविक चुनौती उन कारणों को दूर करने की है, जिनके कारण बच्चे प्रदर्शन करने को मजबूर हुए। विद्यालयों की नियमित जांच, शिक्षकों की समय पर नियुक्ति, जर्जर भवनों का पुनर्निर्माण, स्वच्छ शौचालय, सुरक्षित पेयजल और गुणवत्तापूर्ण भोजन जैसी व्यवस्थाएं किसी विशेष अभियान की मोहताज नहीं होनी चाहिए। इन्हें शिक्षा व्यवस्था की सामान्य जिम्मेदारी माना जाना चाहिए। जेन–अल्फा की आवाज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस पीढ़ी की आवाज है जिसे अभी राजनीति की भाषा नहीं आती, लेकिन अपनी जरूरतों की पहचान जरूर है। जेन–जी ने अपनी समस्याओं के लिए आवाज उठाई थी, अब स्कूली बच्चे भी उसी रास्ते पर दिखाई दे रहे हैं। यह सरकारों के लिए चेतावनी का क्षण है। बच्चों को सड़क पर आने से रोकने का सबसे प्रभावी तरीका पुलिस या प्रशासनिक दबाव नहीं, बल्कि स्कूलों को वास्तव में ठीक करना है।

आखिरकार किसी देश के भविष्य का मूल्यांकन उसके चमकते शहरों और ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि उसके विद्यालयों की हालत से होना चाहिए। यदि बच्चे सुरक्षित, स्वच्छ और शिक्षकों से भरे विद्यालयों में पढ़ रहे हैं तो देश का भविष्य सुरक्षित है। लेकिन यदि उन्हें इन्हीं बुनियादी अधिकारों के लिए सड़क पर उतरना पड़े, तो विकास के दावों पर पुनर्विचार जरूरी है। जेन–अल्फा की आवाज को दबाने के बजाय सुनना होगा, क्योंकि यह केवल बच्चों का विरोध नहीं, आने वाले भारत की दस्तक है।

विचार विंडो

बदलते भारत की कहानी लिख रहा है युवा उद्यमी

प्रहलाद सबनानी

भारत की तस्वीर बीते कुछ वर्षों में तेजी से बदली है। इस बदलाव के केंद्र में यदि किसी वर्ग की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई देती है तो वह है देश का युवा वर्ग। भारतीय युवा अब केवल नौकरी की तलाश करने वाला वर्ग नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजगार देने वाला, नए व्यवसाय खड़े करने वाला और वैश्विक बाजार में भारतीय पहचान मजबूत करने वाला उद्यमी बनकर सामने आ रहा है। यही कारण है कि भारत आज दुनिया के प्रमुख नए उद्यम केंद्रों में अपनी मजबूत जगह बना चुका है।

भारत में पिछले पांच वर्षों के दौरान एक लाख से अधिक नए नवउद्यम स्थापित हुए हैं। देश अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की बड़ी नवउद्यम अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। खास बात यह है कि आज के युवा उद्यमियों को अपना कारोबार खड़ा करने के लिए पहले जैसी लंबी तैयारी की आवश्यकता नहीं पड़ती। डिजिटल भुगतान, सस्ता इंटरनेट, व्यापक मोबाइल उपयोग और सरकारी डिजिटल सुविधाओं ने कारोबार शुरू करने की प्रक्रिया को काफी आसान बनाया है। आज किसी छोटे उपभोक्ता उत्पाद से जुड़े नवउद्यम को देश के करोड़ों संभावित ग्राहकों तक पहुंचने का अवसर शुरुआत से ही मिल जाता है। एकीकृत भुगतान व्यवस्था ने लेन–देन को सरल बनाया है। डिजिटल पहचान और दस्तावेजों की उपलब्धता ने भी अनेक सेवाओं के विस्तार में सहायता की है। देश में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की बड़ी संख्या और डिजिटल सुविधाओं के विस्तार ने युवा उद्यमियों के सामने ऐसा बाजार खोल दिया है, जिसकी कल्पना दो दशक पहले करना कठिन था।

यही बदलाव कंपनियों के तेजी से बड़े होने में भी दिखाई देता है। पुराने औद्योगिक समूहों को विशाल कारोबार और संपत्ति खड़ी करने में दशकों लगे। इसके विपरीत आज तकनीक आधारित कंपनियां कुछ ही वर्षों में अरबों डॉलर का मूल्यांकन हासिल कर रही हैं। कई नए भारतीय नवउद्यम बहुत कम समय में उस स्तर तक पहुंच गए हैं, जिसे हासिल करने में पुरानी कंपनियों को वर्षों का समय लगा था। यह केवल कारोबार की गति में बदलाव नहीं है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बदलती प्रकृति का संकेत भी है। हालांकि इस सफलता के बीच एक महत्वपूर्ण चुनौती भी सामने है। भारत के पास दुनिया के अत्यंत कुशल अभियंताओं और तकनीकी विशेषज्ञों की बड़ी संख्या है, लेकिन उच्च स्तरीय तकनीकी नवाचार के मामले में अभी लंबी दूरी तय करनी बाकी है। दुनिया में उपयोग किए जाने वाले कई बड़े डिजिटल मंचों

का निर्माण भारत के बाहर हुआ है, जबकि उन्हें विकसित करने में भारतीय प्रतिभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह स्थिति बताती है कि भारतीय प्रतिभा में क्षमता की कमी नहीं, बल्कि देश के भीतर उस क्षमता को बड़े नवाचार में बदलने के लिए और बेहतर वातावरण की आवश्यकता है। भारतीय युवाओं के सामने इसलिए अब केवल रोजगार पाने की चुनौती नहीं है। चुनौती यह है कि वे अपनी तकनीकी प्रतिभा का उपयोग देश में ऐसे उत्पाद और सेवाएं विकसित करने में करें, जिनका प्रभाव भारत से बाहर भी दिखाई दे। आंदोलन और असंतोष के रास्ते से अधिक प्रभावी रास्ता नए विचार, नए उद्योग और नई तकनीक खड़ी करना हो सकता है। यदि युवा अपने कौशल को नवाचार से जोड़ते हैं तो भारत की आर्थिक शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। भारत की बढ़ती ताकत का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष वैश्विक स्तर पर भारतीय कारोबार और प्रतिभा का विस्तार है। भारतीय उद्योग समूहों ने विदेशों में बड़ी कंपनियों का अधिग्रहण किया है। टाटा समूह द्वारा जगुआर और लैंड रोवर का अधिग्रहण इसका प्रमुख उदाहरण है। लक्ष्मी मित्तल ने ब्रिटेन के इस्पात क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और एक कमजोर कंपनी को वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण स्थान दिलाया। भारतीय मूल के लोग आज दुनिया की अनेक बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं। यह प्रभाव केवल कारोबार तक सीमित नहीं है। वैश्विक वित्त, तकनीक और संस्थागत नेतृत्व में भी भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति बढ़ी है। दुनिया की प्रमुख तकनीकी कंपनियों से लेकर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों तक भारतीय प्रतिभाएं शीर्ष पदों पर पहुंची हैं। इससे भारत की मानव पूंजी की वैश्विक स्वीकार्यता स्पष्ट होती है। भारत के लिए यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई विकसित देशों में आबादी तेजी से वृद्ध हो रही है। दूसरी ओर भारत के पास बड़ी युवा आबादी और विशाल कार्यबल है। आने वाले वर्षों में दुनिया के अनेक देशों को कुशल युवाओं, अभियंताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और स्वास्थ्य तथा सेवा क्षेत्र के पेशेवरों की आवश्यकता बढ़ सकती है। भारतीय युवाओं के लिए यह वैश्विक अवसर का बड़ा द्वार है। इसके साथ भारत के मजबूत होते अंतरराष्ट्रीय संबंध भी नई संभावनाएं पैदा कर रहे हैं। भारत अनेक प्रमुख देशों के साथ व्यापारिक और रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है। विभिन्न बहुपक्षीय समूहों में भारत की सक्रिय भूमिका ने उसकी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है। वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में भी भारत का प्रभाव बढ़ा है। ऐसे वातावरण में भारतीय कंपनियों और युवाओं के लिए विदेशों में कारोबार विस्तार के अवसर पहले की तुलना में अधिक व्यापक दिखाई देते हैं। वास्तव में भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। युवा शक्ति, डिजिटल ढांचा, विशाल घरेलू बाजार और बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता–ये सभी तत्व एक साथ मौजूद हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि भारत अपने युवाओं को नौकरी तलाशने वाली पीढ़ी के बजाय समाधान खोजने वाली पीढ़ी बनने के लिए प्रोत्साहित करे। भारत की अगली बड़ी कहानी केवल बड़े औद्योगिक घरानों से नहीं लिखी जाएगी। इसे छोटे शहरों, तकनीकी संस्थानों और नए विचारों के साथ आगे बढ़ने वाले युवा उद्यमी भी लिखेंगे। यदि भारत अपनी प्रतिभा को देश के भीतर उच्च स्तरीय नवाचार में बदलने में सफल रहा तो आने वाला समय केवल भारतीय युवाओं के लिए अवसरों का समय नहीं होगा, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था में भारत के निर्णायक प्रभाव का भी समय हो सकता है।

लक्ष्य सेन की हार का लिया बदला

विक्टर लाई को हराकर किदांबी श्रीकांत पंहुचे क्वार्टर फाइनल में

यूनिक समय, नई दिल्ली। चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के अनुभवी स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। प्री–क्वार्टर फाइनल मुकाबले में श्रीकांत ने कनाडा के विक्टर लाई को सीधे दो गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया। शेनझेन में खेले गए इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन अहम मौकों पर श्रीकांत ने धैर्य बनाए रखा और 43 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। खास बात यह रही कि विक्टर लाई ने इससे पहले भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन को राउंड ऑफ 32 में हराकर टूर्नामेंट से बाहर किया था। ऐसे में श्रीकांत की जीत को लक्ष्य सेन की हार का बदला भी माना जा रहा है। मुकाबले के पहले गेम में दोनों

खिलाड़ियों के बीच शुरुआत से ही कांटे की टक्कर देखने को मिली। विक्टर लाई ने श्रीकांत को आसानी से बढ़त बनाने का मौका नहीं दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने महत्वपूर्ण अंकों पर बेहतर खेल दिखाया और पहला गेम 21–18 से अपने नाम कर लिया। पहला गेम जीतने के बाद श्रीकांत के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई, लेकिन विक्टर लाई ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की कोशिश की। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला और भी रोमांचक हो गया। लाई ने कई मौकों पर श्रीकांत पर दबाव बनाया, लेकिन भारतीय स्टार ने धैर्य के साथ खेलते हुए करीबी मुकाबले में 21–19 से दूसरा गेम भी जीत लिया। इसके साथ ही श्रीकांत ने मैच 2–0 से अपने नाम करते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में किदांबी श्रीकांत की भिड़ंत हांगकांग के ली चेयक यिउ से होगी। श्रीकांत की नजरें अब इस मुकाबले को जीतकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने पर होंगी। वहीं भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का सफर प्री–क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गया। तन्वी को जापान की नौवीं वरीयता प्राप्त टोमोका मियाजाकी के खिलाफ तीन गेम तक चले बेहद कड़े मुकाबले में हार मिली। 66 मिनट चले मैच में तन्वी ने पहला गेम 17–21 से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए 21–18 से जीत हासिल कर स्कोर बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में मियाजाकी ने 21–16 से बाजी मार ली और तन्वी को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

आसिम रियाज की बातों पर भड़के विशाल आदित्य सिंह

बोले– 'जय श्री राम बोलो'

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'बिग बॉस 13' के दौरान चर्चा में रहे आसिम रियाज और विशाल आदित्य सिंह के बीच शुरू हुई जुबानी जंग अब लगातार तीखी होती जा रही है। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर एक–दूसरे को जवाब देने का सिलसिला जारी है। हाल ही में आसिम रियाज ने विशाल आदित्य सिंह पर निशाना साधते हुए, उनके पुराने विवाद और निजी जिंदगी से जुड़ी घटना का जिक्र किया था। अब विशाल ने भी आसिम को करारा जवाब देते हुए उनके करियर से लेकर बॉडीबिल्डिंग तक पर तंज कस दिया है। विशाल ने यहां तक कह दिया कि आसिम को अपना दिमाग भी ठीक करवाना चाहिए।

दरअसल, आसिम रियाज ने एक पोस्ट के जरिए विशाल को निशाना

बनाया था। उन्होंने 'बिग बॉस 13' के दौरान विशाल और मधुरिमा तुली के बीच हुए विवाद का जिक्र करते हुए कहा था कि फ्राइंग पैन वाली घटना का असर शायद अब भी विशाल के दिमाग पर है। आसिम ने तंज कसते हुए, यह तक कह दिया था कि वह विशाल के लिए किसी साइकेट्रिस्ट को ढूंढने की कोशिश करेंगे। आसिम की इसी टिप्पणी ने विशाल को भड़का दिया और उन्होंने सोशल मीडिया पर खुलकर पलटवार किया। विशाल ने अपनी पोस्ट में आसिम के करियर पर निशाना साधते हुए लिखा कि 'पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी' ही उनकी पहचान है और यही रह जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने आसिम को काम पर ध्यान देने और 'जय श्री राम' बोलने की सलाह दे डाली। विशाल का यह जवाब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और दोनों के फैंस के बीच भी बहस शुरू हो गई।

लेकिन विशाल यहीं नहीं रुके। उन्होंने आसिम के रैपिंग और सिंगिंग करियर पर भी कटाक्ष किया। विशाल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि आसिम उन्हें डॉक्टर का नंबर भेज दें, बदले में वह उन्हें सुरेश वाडकर म्यूजिक स्कूल का नंबर और जिम का कूपन भेज देंगे। आसिम की बॉडी पर तंज कसते हुए विशाल ने लिखा कि इंजेक्शन से सिर्फ बॉडी बनती है, दिमाग नहीं। उन्होंने आसिम के रैप को भी निशाने पर लेते हुए उनके आर्ट को जीरो प्रतिशत और बकवास करने के टैलेंट को 100 प्रतिशत बताया। इस विवाद में आसिम की पूर्व प्रेमिका हिमांशी खुराना की भी एंट्री हो गई। उन्होंने विशाल के पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए सवाल उठाया कि उन्हें पॉडकास्ट में जाकर इस तरह की बातें करने की जरूरत क्यों पड़ी। अब दोनों के बीच बढ़ती यह सोशल मीडिया जंग लगातार सुर्खियों में बनी हुई है और फैंस भी अपने–अपने पसंदीदा स्टार के समर्थन में खुलकर सामने आ रहे हैं।

भारत में पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी, पाकिस्तान का पत्ता साफ

जानिए क्यों नहीं मिली एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहली बार आयोजित होने जा रही इस प्रतियोगिता की मेजबानी अब श्रीलंका की जगह भारत करेगा। टूर्नामेंट अगले साल 14 फरवरी से 28 फरवरी तक खेला जाएगा और इसमें कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी। खास बात यह है कि इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम नजर नहीं आएगी। पाकिस्तान के बाहर होने की वजह किसी विवाद या मेजबानी से जुड़ी नहीं, बल्कि उसकी खराब आईसीसी वनडे रैंकिंग है।

दरअसल, आईसीसी ने पहली बार महिलाओं के लिए चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित करने का फैसला किया है। पहले इस टूर्नामेंट की मेजबानी श्रीलंका को मिली थी, लेकिन श्रीलंका क्रिकेट में राजनीतिक दखल

के चलते आईसीसी ने मेजबानी उससे लेकर भारत को सौंप दी। हालांकि मेजबानी गंवाने के बावजूद श्रीलंका की टीम टूर्नामेंट में खेलने के लिए क्वालिफाई करने में सफल रही है। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि पाकिस्तान की टीम इस लिस्ट से बाहर क्यों है। दरअसल, महिला चैंपियंस ट्रॉफी में टीमों का चयन आईसीसी वनडे रैंकिंग के आधार पर किया गया है। तय कटऑफ तारीख तक टॉप छह में रहने वाली टीमों को टूर्नामेंट में जगह दी गई। उस समय ऑस्ट्रेलिया पहले, इंग्लैंड दूसरे, भारत तीसरे, दक्षिण अफ्रीका चौथे, न्यूजीलैंड पांचवें और श्रीलंका छठे स्थान पर था। वहीं पाकिस्तान की टीम टॉप छह में जगह नहीं बना सकी। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम फिलहाल आईसीसी वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर है। कटऑफ डेट तक उसकी रैंकिंग इतनी बेहतर नहीं हो सकी कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई कर सके। यही वजह है कि पहली बार होने वाले इस बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान को बाहर बैठना पड़ेगा। दूसरी तरफ श्रीलंका को मेजबानी गंवाने के बावजूद रैंकिंग के आधार पर खेलने का मौका मिल गया है।

टूर्नामेंट के मुकाबले भारत के मुंबई और बडोदरा में खेले जाएंगे। 14 फरवरी से शुरू होने वाली यह प्रतियोगिता 28 फरवरी तक चलेगी। महिला क्रिकेट के इतिहास में पहली चैंपियंस ट्रॉफी होने के कारण इस टूर्नामेंट पर पूरी दुनिया की नजरें रहेंगी। भारतीय टीम को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा, जबकि पाकिस्तान की गैरमौजूदगी के कारण भारत–पाकिस्तान मुकाबले का रोमांच इस बार देखने को नहीं मिलेगा।

गुजराती संगीत का सितारा हुआ खामोश

87 साल की उम्र में गौरांग व्यास का निधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजराती संगीत जगत के दिग्गज संगीतकार, गायक और अरेंजर गौरांग व्यास का 87 साल की उम्र में अहमदाबाद में निधन हो गया। उनके निधन से गुजराती सिनेमा और संगीत की दुनिया में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदान को याद किया। गौरांग व्यास मशहूर संगीतकार अविनाश व्यास के बेटे थे और उन्होंने अपने पिता की समृद्ध संगीत विरासत को आगे बढ़ाते हुए गुजराती संगीत में अपनी अलग पहचान बनाई थी। पीएम मोदी ने गौरांग व्यास के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि उन्होंने अपने पिता की संगीत परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गुजराती संगीत के क्षेत्र में खास जगह बनाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके निधन से गुजरात ने एक प्रतिभाशाली रचनाकार को खो दिया है और गुजराती संगीत जगत में उनके अमूल्य योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

गौरांग व्यास ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 'जेसल तोरल' में अपने पिता के सहायक के तौर पर की थी। इसके बाद उन्होंने 'लाखो फुलानी' से स्वतंत्र संगीत निर्देशक के रूप में काम शुरू किया। अपने कई दशकों लंबे करियर में उन्होंने 100 से ज्यादा फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया। केतन मेहता की 'भवनी भवाई' के अलावा 'मनियारो', 'नसीबनी बलिहारी', 'परकी थापन' और 'लीलूडि धरती' जैसी फिल्मों में भी उनका अहम योगदान रहा। उन्हें 'दिकरी तो पारकी थापन' जैसे मशहूर गीत के लिए खास तौर पर याद किया जाता है। इसके अलावा 'मनियारो ते हालु हालु थाई रे वियो' और 'हू तू तू तू, जमी रमतनी रुतु' जैसे उनके गीत भी काफी लोकप्रिय रहे। गौरांग व्यास ने अपने करियर में लता मंगेशकर, आशा भोसले, किशोर कुमार, मन्ना डे, महेंद्र कपूर, सुमन कल्याणपुर, भूपिंदर सिंह और प्रफुल्ल दवे जैसे कई दिग्गज गायकों के साथ काम किया। उन्होंने कई लोकप्रिय एल्बम भी रिलीज किए, जिनमें 'जलारामनी झुंपड़ी', 'भजन अनमोल', 'गंगा सतीना भजनों', 'कहत कबीर' और 'नॉन-स्टॉप डांडिया-रास' शामिल हैं। गुजराती सिनेमा और संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें करीब 11 राज्य स्तरीय 'बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। साल 2022 में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया था। वहीं 2024 में गुजरात राज्य संगीत अकादमी और गुजरात टूरिज्म ने भी उनके संगीत योगदान के लिए उन्हें विशेष सम्मान दिया। गौरांग व्यास के निधन से गुजराती संगीत ने एक ऐसा कलाकार खो दिया है, जिसकी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों तक उनकी याद दिलाती रहेंगी।

25 साल का करियर, फिर भी करीना कपूर के दिल में है ये अधूरापन

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की बेबो यानी करीना कपूर खान ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल से ज्यादा का शानदार सफर तय किया है। अपनी अदाकारी से उन्होंने करोड़ों दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई, लेकिन इस कामयाबी के बावजूद उनके मन में आज भी एक अधूरापन है। अभिनेत्री ने अपनी जिंदगी के उस अफसोस के बारे में खुलकर बात की, जिसे वह चाहकर भी पीछे नहीं छोड़ पाईं। दरअसल, करीना ने कम उम्र में ही फिल्मों की दुनिया में कदम रख दिया था। इसी वजह से उनकी पढ़ाई बीच में ही छूट गई। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि 11वीं कक्षा के बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी नहीं रखी। उस वक्त अभिनय को लेकर उनका जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने शिक्षा से दूरी बना ली। हालांकि आज उन्हें लगता है कि औपचारिक शिक्षा उनके व्यक्तित्व को और बेहतर तरीके से निखार सकती थी। करीना अपने इस अनुभव का असर अपने बच्चों तैमूर और जेह पर नहीं पड़ने देना चाहतीं। उनका मानना है कि बच्चों को पहले अपनी स्कूली और उच्च शिक्षा पूरी करनी चाहिए और उसके

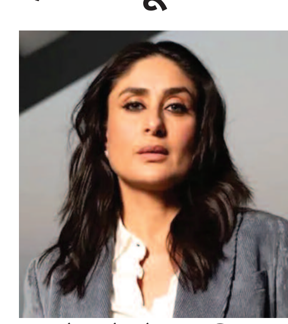

बच्चों को लेकर लिया बड़ा सबक

बाद ही करियर को लेकर कोई बड़ा फैसला लेना चाहिए। वह चाहती हैं कि उनके बच्चे शिक्षा को उतनी ही अहमियत दें, जितनी वह अपने करियर को देती रही हैं। करीना लंबे समय से बच्चों और खासकर लड़कियों की शिक्षा से जुड़े सामाजिक अभियानों का हिस्सा भी रही हैं। उनका मानना है कि हर बच्चे को बेहतर शिक्षा मिलना बेहद जरूरी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। फिल्म में वह एक कड़क पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी दिखाई देंगे।

सीईओ जितेंद्र मिश्रा ने रामलला के दर्शन कर संभाला कार्यभार

नई जिम्मेदारी पर बोले, पुरानी बातें छोड़ आगे बढ़ें

मंदिर न्यास में अन्य पदाधिकारियों ने भी संभाली जिम्मेदारी

यूनिक समय, अयोध्या। पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने गुरुवार को राम मंदिर के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया। वह सुबह दिल्ली से विमान से अयोध्या पहुंचे। हवाई अड्डे से सीधे राम मंदिर पहुंचकर उन्होंने रामलला के दर्शन किए और इसके बाद नई जिम्मेदारी ग्रहण की।

हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में जीतेंद्र मिश्रा ने कहा कि अब पुरानी बातों को छोड़कर आगे बढ़ने का समय है। उन्होंने चयन समिति और भगवान श्रीराम के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्हें इस महान और पवित्र कार्य के लिए चुना गया है। हालांकि, मंदिर न्यास कार्यालय के बाहर पत्रकारों के सवालों पर वह नाराज नजर आए। उन्होंने मीडिया कर्मियों से कहा कि यदि उनके साथ इसी तरह सवाल–जवाब किए गए तो वह उन्हें दोबारा वहां आने की अनुमति नहीं देंगे। राम मंदिर न्यास में महासचिव गोविंद देवगिरी और कोषाध्यक्ष मोहन भागचंदका ने भी अपना कार्यभार संभाल लिया। नए न्यासियों मोहन पांडेय और निर्मला यादव ने भी जिम्मेदारी ग्रहण की। बुधवार को हुई न्यास की बैठक में इन सभी को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। यह बदलाव मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने के करीब तीन महीने बाद हुआ है। इस बीच रामलला के अर्चकों के लिए जन्माष्टमी से नई वेशभूषा लागू करने की तैयारी है। 36 अर्चकों के लिए वाराणसी से 80 वस्त्र मंगाए गए हैं, जिनमें 40 अयोध्या पहुंच चुके हैं।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में आरोपी बेटा गिरफ्तार

मुठभेड़ में दोनों पैरों में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

हादसे के बाद पिता भी मुठभेड़ में गिरफ्तार

यूनिक समय, कौशांबी। अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के मामले में पुलिस ने फैक्ट्री मालिक के 18 वर्षीय बेटे आदिल को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार बुधवार रात करीब दो बजे घेराबंदी के दौरान आदिल बाइक से भागने लगा। बाइक फिसलने के बाद उसने पुलिस पर दो गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

पूछताछ में आदिल ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वह साथियों के साथ मिलकर पैसे कमाने के लिए अवैध पटाखे और विस्फोटक सामग्री तैयार करता था। इसके लिए महमूदपुर मनौरी बिजलीघर के पास स्थित गोदाम का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने उसके पास से अवैध तमंचा, कारतूस और तीन खोखे बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने इससे पहले मंगलवार तड़के फैक्ट्री मालिक नौशाद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। मंगलवार रात प्रशासन ने आदिल का तीन मंजिला मकान भी बुलडोजर से ढहा दिया। अधिकारियों के मुताबिक भवन का नक्शा स्वीकृत नहीं था।

31 अगस्त को फैक्ट्री में हुए विस्फोट से आसपास के आठ मकान क्षतिग्रस्त हुए थे। हादसे में अब तक नौ बच्चों समेत 14 लोगों की मौत हो चुकी है। मामले में लापरवाही के आरोप में नौ पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जा चुका है। विस्फोट की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

स्वाभिमान रैली में जयंत चौधरी दिखाएंगे ताकत

परिवार संग पहुंचे जयंत पचास हजार लोगों की तैयारी

गुर्जर समाज को साधने के साथ 2027 पर नजर

यूनिक समय, सहारनपुर। रामपुर मनिहारान के गोचर कृषि इंटर कॉलेज मैदान में गुरुवार को राष्ट्रीय लोकदल की स्वाभिमान रैली आयोजित की जा रही है। रैली में केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी परिवार के साथ पहुंचे हैं। कार्यक्रम को विधानसभा चुनाव 2027 से पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। रैली स्थल पर करीब 50 हजार लोगों की क्षमता वाला विशाल पंडाल तैयार किया गया है। मंच, बैठने, पेयजल, वाहन खड़े करने और सुरक्षा की व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। सुबह से ही समर्थकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। पार्टी कार्यकर्ता भीड़ जुटाने के लिए क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। रालोद की इस रैली को गुर्जर समाज के बीच राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कवायद से भी जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इसके जरिए कार्यकर्ताओं और समर्थकों को एकजुट करने का प्रयास है। विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए रैली में पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिए जाने की संभावना है। रालोद नेताओं के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों को गति देने पर जोर रहेगा। कई सांसदों और विधायकों ने भी क्षेत्र में जनसंपर्क कर लोगों से रैली में पहुंचने की अपील की।

समाज को अपशब्द कहने पर भड़का वैश्य समाज

कस्बा इंचार्ज पर अभद्र टिप्पणी का आरोप थाने पहुंचा समाज

दरोगा और सिपाही को किया गया लाइन हाजिर

यूनिक समय, आगरा। फतेहपुर सीकरी में अग्रवाल सेवा समिति की आम सभा की बैठक के दौरान पुलिसकर्मी द्वारा कथित तौर पर वैश्य समाज के लोगों को अपशब्द कहने पर विवाद खड़ा हो गया। घटना से आक्रोशित समाज के लोग पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए थाने पहुंच गए और आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बताया गया कि बुधवार रात जय श्रीराम मंदिर में अग्रवाल समाज की आम सभा चल रही थी। बैठक में पुलिस को भी बुलाया गया था। इसी दौरान कस्बा इंचार्ज ने बैठक में मौजूद लोगों को डांटते समय कथित रूप से अपशब्द कह दिए। इससे समाज के लोगों में नाराजगी फैल गई।

लोगों ने थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद वीर सिंह से शिकायत की और थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। मामले की जानकारी सांसद और भाजपा जिलाध्यक्ष को भी दी गई।

देर रात पुलिस ने कस्बा इंचार्ज और एक सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया।

आगरा में स्वाइन फ्लू की दस्तक बुजुर्ग महिला संक्रमित

64 वर्षीय महिला की जांच रिपोर्ट आई सकारात्मक

स्वास्थ्य विभाग ने परिजनों को सतर्क रहने कहा

यूनिक समय, आगरा। आगरा में इस वर्ष स्वाइन फ्लू का पहला मामला सामने आया है। कमला नगर निवासी 64 वर्षीय महिला की जांच रिपोर्ट में एच–1 एन–1 संक्रमण की पुष्टि हुई है। महिला पिछले चार–पांच दिनों से बुखार से पीड़ित थी। निजी चिकित्सक से उपचार के बाद भी राहत नहीं मिलने पर बुधवार को एसएन मेडिकल कॉलेज में जांच कराई गई।

महिला को तेज बुखार के साथ सांस लेने में परेशानी थी। चिकित्सकों ने स्वाइन फ्लू की आशंका पर नमूना जांच के लिए विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला भेजा, जहां रिपोर्ट सकारात्मक आई। स्वास्थ्य विभाग ने महिला को घर में अलग रखकर उपचार शुरू किया है और उसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

स्वाइन फ्लू के नोडल अधिकारी डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति ने बताया कि फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। हालत बिगड़ने पर महिला को अस्पताल के अलगाव वार्ड में भर्ती कराया जाएगा। परिजनों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विभाग ने लोगों से मास्क लगाने, हाथ साफ रखने और खांसी–जुकाम होने पर भीड़ से बचने की अपील की है।

गंगा की बाढ़ से घिरे गांव पहुंचे योगी, राहत का दिया भरोसा

एक हजार परिवारों को 26 सामग्री वाली राहत किट मिली

बेघर 31 लोगों को भूमि पट्टा, मकान सहायता दी

70 गांवों में बाढ़, 78 हजार से अधिक लोग प्रभावित

यूनिक समय, फर्रुखाबाद। गंगा नदी की बाढ़ से प्रभावित फर्रुखाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया। इसके बाद पुलिस लाइन मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर सरकार की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में सरकार पूरी मजबूती के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। राहत और बचाव कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित एक हजार परिवारों को 26 प्रकार की आवश्यक सामग्री से युक्त राहत किट वितरित कीं। इनमें प्रभावित परिवारों की दैनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जरूरी सामान शामिल किया गया। कार्यक्रम में बाढ़ के कारण बेघर हुए 31 लोगों को आवासीय भूमि का पट्टा भी दिया गया। साथ ही, मकान निर्माण के लिए प्रत्येक को 1.20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक सौंपे गए। प्रशासन के अनुसार गंगा की बाढ़ से जिले के करीब 70 गांव प्रभावित हैं। इन गांवों के 19,295 परिवारों के 78,671 लोग बाढ़ के पानी से घिरे हैं। बाढ़ के कारण लगभग 7,200 हेक्टेयर फसलें नष्ट होने का अनुमान है। वहीं, 127 ग्रामीण पूरी तरह बेघर हो चुके हैं।प्रशासन के अनुसार इससे पहले भी 96 ग्रामीणों को मकान निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की सहायता और 67 लोगों को आवासीय भूमि के पट्टे दिए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री समय पर पहुंचे और जरूरत के अनुसार बचाव कार्य लगातार जारी रखा जाए।

धुएं का अलार्म बजा, लखनऊ उतरा एअर इंडिया का विमान

वाराणसी से दिल्ली जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

155 यात्रियों को उतारकर विमान की जांच कराई गई

यूनिक समय, लखनऊ। वाराणसी से दिल्ली जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की गुरुवार सुबह लखनऊ हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। विमान के कार्गो कक्ष में धुएं का अलार्म बजने के बाद पायलट ने तत्काल लखनऊ हवाई अड्डे के नियंत्रण कक्ष से संपर्क किया। अनुमति मिलने के बाद विमान को सुबह 8:52 बजे सुरक्षित उतारा गया।

विमान के उतरते ही अग्निशमन दल और तकनीकी विशेषज्ञों ने जांच शुरू की। करीब 10 मिनट बाद विमान में सवार 155 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित उतार लिया गया। प्रारंभिक जांच में विमान के भीतर धुएं के कोई संकेत नहीं मिले। इसके बाद अलार्म बजने के कारणों की जांच शुरू की गई। विमान को हवाई अड्डे के खड़े करने वाले क्षेत्र में भेज दिया गया है। विशेषज्ञ दल इसकी विस्तृत जांच करेगा। यात्रियों को फिलहाल नजदीकी होटल में ठहराया गया है। विमान की व्यवस्था होने के बाद उन्हें दूसरे विमान से दिल्ली भेजा जाएगा।

बारिश से बिहार, यूपी, हिमाचल में गहराया बाढ़ का संकट

काशी में 407 परिवार सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए

हिमाचल में भूस्खलन से 175 से अधिक सड़कें बंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। बिहार में गंगा खतरे के निशान से करीब दो फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि आठ नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कई इलाकों में सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है।

उत्तर प्रदेश में भी नदियों के उफान से हालात चिंताजनक हैं। वाराणसी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

अब तक 2910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए 36 नावें लगाई गई हैं। बाढ़ की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री ने वाराणसी के जिलाधिकारी और महापौर से बातचीत कर जानकारी ली। मिर्जापुर में रेलवे के नीचे बने मार्ग में पानी भरने से बस फंस गई, जिसे ट्रैक्टर की मदद से बाहर निकाला गया।

हिमाचल प्रदेश में बुधवार रात हुई तेज बारिश के बाद कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ। मलबा गिरने से 175 से अधिक सड़कें बंद हो गईं। कालका–शिमला चार लेन मार्ग पर भारी मलबा आने से कई वाहन रातभर फंसे रहे। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में भी मलबे में दबने से तीन लोगों की मौत हुई है।

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम और छिंदवाड़ा में अति भारी बारिश का खतरा देखते हुए चेतावनी जारी की गई है। पंजाब और चंडीगढ़ में पांच सितंबर तक भारी बारिश की संभावना है। राजस्थान में भी मानसून फिर सक्रिय होने से कई जिलों में बारिश का दौर शुरू हो गया है।

अभिनंदन ने वायुसेना छोड़ी अब उड़ाएंगे यात्री विमान

पाकिस्तान में 60 घंटे कैद रहे, फिर लौटे भारत

नई भूमिका में प्रशिक्षण लेकर उड़ाएंगे यात्री विमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। वर्ष 2019 में पाकिस्तान के लड़ाकू विमान को मार गिराने के बाद चर्चा में आए पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्तमान ने वायुसेना से सेवानिवृत्ति ले ली है। करीब दो दशक तक देश की सेवा करने के बाद अब वह निजी विमानन कंपनी फ्लाई–91 से जुड़ गए हैं। वह कंपनी में यात्री विमान के पायलट की भूमिका निभाएंगे।

अभिनंदन ने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में नई जिम्मेदारी संभाली। वायुसेना में उनका सामान्य सेवाकाल 2037 तक रहना था। उन्होंने मिग–21 लड़ाकू विमान उड़ाया था। 27 फरवरी 2019 को भारत–पाकिस्तान हवाई संघर्ष के दौरान उनका विमान मिसाइल की चपेट में आ गया था। विमान से बाहर निकलने के बाद वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जा गिरे और पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उन्हें पकड़ लिया था।

भारत के दबाव के बाद करीब 60 घंटे पश्चात एक मार्च 2019 को अभिनंदन वाघा–अटारी सीमा के रास्ते भारत लौटे थे। उनकी बहादुरी के लिए वर्ष 2021 में उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया। सरकारी प्रशस्ति–पत्र के अनुसार उन्होंने पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों का साहसपूर्वक मुकाबला किया था।

निजी विमानन क्षेत्र में जाने के बाद अभिनंदन एटीआर 72–600 विमान उड़ाएंगे। इसके लिए नागरिक विमानन नियमों के अनुसार आवश्यक प्रशिक्षण, विमान विशेष योग्यता और चिकित्सकीय मानकों को पूरा करना होता है। भारत में व्यावसायिक पायलट के लिए अधिकतम आयु 65 वर्ष निर्धारित है। फ्लाई–91 क्षेत्रीय विमानन कंपनी है, जिसने मार्च 2024 में व्यावसायिक उड़ानें शुरू की थीं। कंपनी का मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों को हवाई संपर्क से जोड़ना है। उसके बेड़े में एटीआर 72–600 विमान शामिल हैं और गोवा तथा हैदराबाद प्रमुख संचालन केंद्र हैं।

क्रू सदस्य की तबीयत बिगड़ी, मस्कट उतरी उड़ान

यात्रियों के लिए वैकल्पिक विमान और दल की व्यवस्था

दो दिन पहले भी विमान में आई थी तकनीकी खराबी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दोहा से बेंगलुरु जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 1302 को गुरुवार को चालक दल के एक सदस्य की तबीयत बिगड़ने के बाद मस्कट के लिए मोड़ना पड़ा। उड़ान के दौरान सदस्य को तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत पड़ी, जिसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से मस्कट उतारा गया। जांच के बाद उनकी हालत पहले से बेहतर बताई गई है।

इंडिगो ने बताया कि यात्रियों को बेंगलुरु पहुंचाने के लिए वैकल्पिक विमान और नए चालक दल की व्यवस्था की गई है। यात्रियों को जलपान समेत जरूरी सुविधाएं दी जा रही हैं और उड़ान की स्थिति की जानकारी भी समय–समय पर दी जा रही है। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। कंपनी ने कहा कि यात्रियों, चालक दल और विमान की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इससे पहले एक सितंबर को गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान में इंजन संबंधी तकनीकी समस्या के बाद विमान को वापस गोवा उतारा गया था। विमान में सवार सभी 229 यात्री सुरक्षित रहे थे।

स्टालिन को हाईकोर्ट से झटका चुनाव याचिका खारिज

ईवीएम में गड़बड़ी और अनियमितता के लगाए आरोप

निर्वाचन अधिकारी ने प्रक्रिया को बताया नियमसम्मत

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु की कोलाथुर विधानसभा सीट से चुनाव हारने के मामले में डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन को मद्रास हाईकोर्ट से झटका लगा है। न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने उनकी याचिका को सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए खारिज कर दिया। मामले में विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा।

स्टालिन ने चुनाव परिणाम में कथित अनियमितताओं और इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों में खराबी का आरोप लगाते हुए परिणाम के सत्यापन की मांग की थी। उन्होंने चयनित मशीनों की नियंत्रण इकाई, मतदान इकाई और मतदाता सत्यापन पर्ची से जुड़ी स्मृति की जांच के लिए प्रतिनिधि नियुक्त किया था। जांच के दौरान कथित तकनीकी खामियां सामने आने का दावा किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा था कि मशीनों की जांच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूरी हुई।

इसके बाद स्टालिन ने आपत्तियां दर्ज कराईं और हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। मुख्य न्यायाधीश एसए धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

कॉकरोच जनता पार्टी का डेमोक्रेटिक नाम से नया मंच गठित

पारदर्शिता और जवाबदेही को बताया संगठन का आधार

'देश की टीम बनाएं किसी नेता की नहीं'

यूनिक समय, नई दिल्ली। मनीष ब्रह्मभट्ट ने गुरुवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी–डेमोक्रेटिक' नाम से नए राजनीतिक मंच के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि संगठन का संचालन पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। ब्रह्मभट्ट ने कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से ऐसी राष्ट्रीय टीम बनाने की अपील की, जिसमें किसी एक नेता का वर्चस्व न हो।

ब्रह्मभट्ट के अनुसार मंच का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है। महत्वपूर्ण निर्णय सदस्यों की राय के आधार पर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल किसी एक राजनीतिक दल के विरोध तक सीमित नहीं होगी, बल्कि भ्रष्टाचार और व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाएगी। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और दूरभाष संदेश के माध्यम से जुड़ने की अपील की।

ब्रह्मभट्ट ने आरोप लगाया कि पहले की एक पहल में स्वयंसेवकों से पर्याप्त सलाह नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि नया संगठन देशव्यापी जनभागीदारी के साथ लोकतांत्रिक ढंग से आगे बढ़ेगा।

तेज रफ्तार बाइक हादसे में दो युवकों की मौत

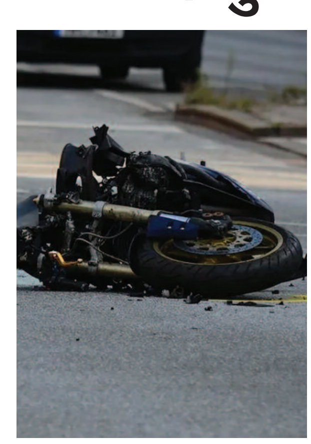

बाइक चोरी की आशंका मालिक ने नहीं दी थी किसी को बाइक

मौके पर मिले सिगरेट के पैकेट, सीसीटीवी से की जांच शुरू

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के अलप्पुझा में गुरुवार तड़के तेज रफ्तार मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। हादसा कैचूंडमुक्कु इलाके में सुबह करीब साढ़े तीन बजे हुआ। पुलिस के अनुसार तीनों युवक बिना हेलमेट बाइक पर सवार थे। तेज गति के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया और बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

पुलिस को संदेह है कि दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल चोरी की थी। वाहन के पंजीकरण नंबर से मालिक का पता लगाया गया। मालिक ने पुलिस को बताया कि बाइक उसके मनांचेरी स्थित घर में खड़ी थी और उसने इसे किसी को नहीं दिया था। इससे चोरी की आशंका गहरा गई है।

हादसे वाली जगह पर सिगरेट के कई पैकेट मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि युवकों ने किसी दुकान से सिगरेट चोरी की हो सकती है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और घायल युवक से पूछताछ कर रही है।

जन्माष्टमी पर जन्मभूमि की कड़ी सुरक्षा, सात जोन में पहरा

चार हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी संभालेंगे जन्मस्थान की सुरक्षा

बैरियर, पार्किंग और ड्रोन से होगी पूरे क्षेत्र की निगरानी

जन्माष्टमी को लेकर वृंदावन में बनाए वॉच टावर

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान की सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य रखने के लिए पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। जन्मस्थान समेत आसपास के क्षेत्र को सात जोन और 35 सेक्टरों में बांटकर सुरक्षा की जिम्मेदारी अधिकारियों को सौंपी गई है। चार हजार से अधिक पुलिसकर्मी, पीएसी और आरएएफ के जवान तैनात रहेंगे।

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में जन्मस्थान के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रत्येक जोन और सेक्टर में प्रशासनिक-पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। शहर के प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर बैरियर लगाकर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

जन्माष्टमी के दिन वाहनों के जन्मस्थान की ओर जाने पर रोक रहेगी। बीएसए कॉलेज, भूतेश्वर, मथुरा कैंट स्टेशन से पहले, कृष्णापुरी तिराहे से आगे, मसानी से अमरनाथ स्कूल की ओर जाने वाले मार्ग और भरतपुर गेट सहित कई स्थानों पर बैरियर लगाए गए हैं। बाहर से आने वाले वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कराया जाएगा। शहर के प्रमुख चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। भीड़ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन से निगरानी की जाएगी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। जन्मस्थान परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान सुरक्षा के साथ भीड़ नियंत्रण पर विशेष जोर रहेगा।

वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर वृंदावन तेज हो गई हैं। पर्व के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शहर के प्रमुख और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जगह-जगह वॉच टावर लगाए जा रहे हैं। वॉच टावरों के माध्यम से पुलिस और सुरक्षा कर्मी ऊंचाई से श्रद्धालुओं की भीड़ पर नजर रख सकेंगे। इससे भीड़ का दबाव बढ़ने, मार्गों पर जाम लगने या किसी स्थान पर अव्यवस्था की स्थिति बनने पर तत्काल निगरानी की जा सकेगी। जन्माष्टमी के दौरान मंदिरों और प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ने की संभावना है, ऐसे में प्रशासन भीड़ को व्यवस्थित रखने पर विशेष ध्यान दे रहा है। नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों और संपर्क मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

सीसीटीवी कैमरों और अन्य निगरानी व्यवस्थाओं के जरिए भी नजर रखी जाएगी। मथुरा-वृंदावन क्षेत्र को सुरक्षा की दृष्टि से अलग-अलग जोन और सेक्टरों में विभाजित कर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

मुख्यमंत्री के आने से पूर्व पुलिस ने की कार्रवाई

कांग्रेस प्रवक्ता को किया हाउस अरेस्ट

यूनिक समय, मथुरा। हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास से जुड़े विवाद के बाद कांग्रेस प्रवक्ता को पुलिस ने मुख्यमंत्री के मथुरा आगमन से पूर्व हाउस अरेस्ट कर लिया।

कांग्रेस प्रवक्ता कुवंर सिंह निषाद के साथ लाइव डिवेट के दौरान हनुमान गढ़ी के महंत राजूदास द्वारा की गई अभद्रता के खिलाफ उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर निषाद समाज और दूसरे दलों के लोगों ने जिला अधिकारी कार्यालय पर जबर्दस्त प्रदर्शन किया था। गुरवार को मुख्यमंत्री के आने से पूर्व पुलिस ने कांग्रेस प्रवक्ता को उनके घर पर हाउस अरेस्ट कर नजर बंद कर दिया। उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दिया।

कांग्रेस प्रवक्ता का कहना है कि पुलिस प्रशासन ने उन्हें कार्रवाई करने का भरोसा दिया था। न्याय मांगने पर उन्हें हाउस अरेस्ट कर दिया गया है।

सीएम के आगमन से पहले किसान नेता नजरबंद

यूनिक समय, कोसीकलां। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा आगमन से पूर्व पुलिस प्रशासन ने किसान नेता दीपक चौधरी को घर में नजरबंद कर दिया है। कार्रवाई के बाद समर्थकों में आक्रोश है। बताया गया कि पुलिस प्रशासन ने गुरुवार को किसान नेता के घर पहुंचकर उन्हें नजरबंद किया। पुलिस ने घर के बाहर पहरा बैठा दिया है। किसान नेता दीपक चौधरी पूर्व विधायक बाबू तेजपाल सिंह के पौत्र हैं। वह क्षेत्र में किसानों की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाते रहते हैं। समर्थकों का कहना है कि सरकार किसानों की आवाज को दबाना चाहती है।

जन्माष्टमी से पहले महंगे हुए फल, जेब पर बढ़ा बोझ

यूनिक समय, मथुरा। जन्माष्टमी पर्व को लेकर बाजारों में खरीदारी बढ़ने के साथ ही फलों के दामों में भी तेजी देखने को मिल रही है। शुक्रवार को जन्माष्टमी मनाई जाएगी। ऐसे में व्रत रखने वाले श्रद्धालु और भगवान श्रीकृष्ण के भोग के लिए फल खरीदने बाजार पहुंच रहे हैं। मांग बढ़ने का असर फलों की कीमतों पर साफ दिखाई दे रहा है। गुरुवार को सेब और अनार के दाम सामान्य दिनों की तुलना में करीब 50 रुपये प्रति किलो तक अधिक रहे। वहीं अमरूद के भाव में भी बड़ा उछाल देखने को मिला। जो अमरूद पहले करीब 40 - 60 रुपये किलो बिक रहा था, वह गुरुवार को बढ़कर सीधे 80 रुपये किलो तक पहुंच गया। इससे फल खरीदने पहुंचे लोगों को अतिरिक्त खर्च करना पड़ा। केले

फरह चौराहे पर बिक्री को आए ताजी केले दिखाता विक्रेता।

के दाम भी अलग-अलग गुणवत्ता और किस्म के अनुसार 40 से 50 रुपये प्रति किलो तक रहे। दुकानदारों का कहना है कि जन्माष्टमी के चलते फलों की मांग बढ़ गई है, जिसका असर कीमतों पर पड़ा है। पर्व के लिए खरीदारी करने आए श्रद्धालुओं का कहना है कि जन्माष्टमी के मौके पर फलों की बढ़ती कीमतों से बजट प्रभावित हो रहा है।

घर-घर सजेगा नंदलाला, बाजारों में कान्हा के श्रृंगार की धूम

बांसुरी, मुकुट और पीले वस्त्रों की बढ़ी मांग

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर कान्हा की नगरी में उत्साह चरम पर है। मंदिरों के साथ अब घर-घर भी नंदलाला के जन्मोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। जन्मोत्सव पर परिवार अपने बच्चों को कन्हैया के रूप में सजाने के लिए बाजारों से बांसुरी, मुकुट, मोरपंख, पीले वस्त्र, कुर्ता-धोती, माला और अन्य श्रृंगार का सामान खूब खरीद रहे हैं।

शहर से लेकर गांव तक दुकानों पर कान्हा के पोशाक और श्रृंगार सामग्री की मांग बढ़ गई है। जन्माष्टमी के दिन छोटे-छोटे बच्चे कान्हा के रूप में नजर आएंगे। कोई नन्हा कन्हैया सिर पर मोर मुकुट सजाएगा तो कोई हाथ में बांसुरी

लेकर सबका मन मोह लेगा। माता-पिता भी अपने बच्चों को कृष्ण की तरह सजाने के लिए घर पर तैयारियां कर रहे हैं।

परिवारों में बच्चों को कन्हैया बनाने को लेकर खासा उत्साह है। माताएं घर पर ही बच्चों को पीले वस्त्र पहनाकर, माथे पर तिलक लगाकर और सिर पर मोरपंख वाला मुकुट सजाने की तैयारी कर रही हैं। जन्माष्टमी की रात घरों में सजे-धजे नन्हे कान्हा आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक' को मिला हजारीमल बांठिया स्मृति सम्मान

वन्दे मातरम् कवि सम्मेलन श्रृंखला के चतुर्थ कवि सम्मेलन में हुए सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज कला केंद्र, राष्ट्रीय कवि संगम और संस्कार भारती के सहयोग से वन्दे मातरम् श्रृंखला के चतुर्थ कवि सम्मेलन में प्रख्यात् संगीतज्ञ, कवि, लेखक और 'संगीत' मासिक के संपादक डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक' को हजारीमल बांठिया स्मृति सम्मान से नवाजा गया।

काका हाथरसी स्मारक भवन, हाथरस में आयोजित कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करने पहुंचे डॉ. राजेंद्र कृष्ण को यह सम्मान सांसद अनूप प्रधान, व्यापार फैडरेशन जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, सुबा इंटर कालेज के अध्यक्ष सुरेन्द्र बांठिया, जिला कार्यकारिणी भाजपा के उपाध्यक्ष रजत चौधरी, संयोजक और संचालक आशु कवि अनिल बौहरे, स्वागताध्यक्ष चौधरी जयवीर सिंह, सुकवि गाफलि स्वामी आदि ने संयुक्त रूप से दिया। कवि

डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल को सम्मानित करते आयोजक।

सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद अनूप प्रधान और डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक' सहित सभी अतिथियों ने मां शारदा और स्वनामधन्य कवियों के चित्रों पर माल्यार्पण, दीप-प्रज्ज्वलन कर किया गया। सम्मान के प्रति आभार प्रकट करते हुए डॉ. अग्रवाल ने अपना काव्यमय परिचय देते हुए ब्रजभाषा में कुछ छंद प्रस्तुत किए।

काका हाथरसी के परिवार से अपने जुड़ाव की चर्चा करते हुए काका पर लिखी अपनी दर्जनों कविताओं में से एक कविता का पाठ कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

राधा-कृष्ण के स्वरूप में सजे बच्चों ने मोहा मन

जन्माष्टमी से पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्राएं।

लालपुर विद्यालय में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रम में राधा-कृष्ण के वेश में सजे बच्चे

कान्हा माखन विद्यालयों में धूमधाम से मनी जन्माष्टमी

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स की विभिन्न शाखाओं में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई। सरस्वती कुंड स्थित कान्हा माखन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण के स्वरूप धारण कर श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भजनों और नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा विशेष आकर्षण रही। महोली रोड स्थित कान्हा माखन किड्स प्राइड, वृंदावन, कोसी, ओमैक्स स्थित कान्हा माखन मिलेनियम और टाउनशिप शाखाओं में भी जन्माष्टमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सजावट, झांकियों और मटकी फोड़ गतिविधियों ने उत्सव में रंग भर दिया। विद्यालय परिसर राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष से गूंजते रहे। निदेशक अनिल अग्रवाल, सचिव सुनील अग्रवाल सहित विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्यों और शैक्षणिक प्रमुखों ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हैं।

लालपुर विद्यालय में धूमधाम से मना जन्माष्टमी पर्व

ब्लॉक गोवर्धन के प्राथमिक विद्यालय लालपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। उत्तर प्रदेश राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक नरेन्द्र चौधरी और शिक्षिका रेखा रानी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नन्हें-मन्ने बच्चे राधा-कृष्ण के मनमोहक स्वरूप में सजे नजर आए। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। बाल-गोपालों के उत्साह से विद्यालय परिसर जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। समापन पर शिक्षकों ने बच्चों और उनके परिजनों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महंत बाबा कमलदास, मंदो बाबा, प्रदीप अग्रवाल और देवेंद्र शर्मा सहित शिक्षक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

घायल बुजुर्ग की मदद को आगे आए विधायक राजेश चौधरी

यूनिक समय, सुरीर। मांट विधानसभा क्षेत्र के विधायक ने मांट-नौहझील मार्ग पर टेंटीगांव के समीप हाईवे अंडरपास-89 के नीचे घायलावस्था में मिले गांव भालई निवासी बुजुर्ग राजेंद्र सिंह तोमर को एम्बुलेंस बुलाकर अस्पताल में भर्ती कराया। इसी मार्ग से गुजर रहे मांट विधायक राजेश चौधरी की नजर घायल अंडर पास के समीप घायल बुजुर्ग पर पड़ी। विधायक ने अपनी गाड़ी रुकवाई और घायल के पास पहुंचकर उनका हाल जाना, उन्हें हिम्मत बंधाई। विधायक ने तुरंत एंबुलेंस

बुलवाकर घायल राजेंद्र सिंह तोमर को अस्पताल भिजवाया और उनके इमरजेंसी उपचार की व्यवस्था कराई।